संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 15 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने बुधवार को दुबई में जेबेल अली मुक्त व्यापार क्षेत्र में डीपी वर्ल्ड द्वारा बनाए जाने वाले भारत मार्ट की आधारशिला रखी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 15 अंकः 45 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

MARUTI
nandan printers

8 COLOUR
WEB OFFSET
MACHINE

Capacity : 36000 Copies per Hour
16 Broad Sheet Pages in One Go

THE
PRINTING HUB
COMPLETE
CTP UNIT
BASYS PRINT

Corporate Office : A-15, G. T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033
Phone : +91-9999889104, +91-9250706656, +91-11-47502546

केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री और मुख्यमंत्री ने टर्मिनल भवन फेज-2 का किया लोकार्पण

टर्मिनल विस्तार

8 -केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर नवनिर्मित टर्मिनल भवन फेज-2 का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। द्वितीय चरण में जौलीग्रांट एयरपोर्ट के टर्मिनल का 14 हजार वर्ग मीटर विस्तार किया गया। अब एयरपोर्ट के टर्मिनल का कुल विस्तार 42 हजार वर्ग मीटर में हो चुका है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट का टर्मिनल दो चरणों में 486 करोड़ की लागत से बना है।
केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनके लिए यह क्षण कई पहलुओं से भावुक और महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड से उनका पहले से नाता है। उन्होंने 05 साल उत्तराखण्ड से शिक्षा ग्रहण की। उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक शक्ति सम्पूर्ण विश्व में अनूठी है। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ उन्हें केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री बनने के बाद सबसे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट के टर्मिनल के प्रथम फेज के कार्यों का लोकार्पण करने का अवसर मिला था। आज देहरादून के इस एयरपोर्ट से देश के 13 शहरों के लिए हवाई सेवा चल रही है। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री सिंधिया ने कहा कि मंत्रालय द्वारा पिथौरागढ़-हिंडन हवाई सेवा के लिए कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी मेडिकल सर्विस के लिए हेलीकॉप्टर की देश में उत्तराखण्ड से शुरूआत की जा रही है। एम्स ऋषिकेश मंड इसके लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की जायेगी। 150 किलोमीटर के दायरे के अन्तर्गत हेलीकॉप्टर द्वारा मरीजों को लाने की व्यवस्था की जायेगी।
उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट से उत्तराखण्ड के अन्य स्थानों को मुख्यमंत्री की सहायता से और तेजी से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में तीन एयरपोर्ट देहरादून, पंतनगर और पिथौरागढ़ विकसित करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में 2014 में मात्र एक हेलीपोर्ट था। जो अब 10 हो चुके हैं, उड़ान 5.0 योजना तक राज्य में 21 हेलीपोर्ट बनाने का लक्ष्य रखा गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं।

18 मई को खुलेंगे चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट, पंचांग के आधार पर तिथि तय

कपाट

8 भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह मूर्ति 14 मई 2024 पूजा अर्चना के बाद मंदिर परिसर में लाई जाएगी।

गोपेश्वर(चमोली)/टीम एक्शन इंडिया
कपाट खुलने की प्रक्रियाओं के तहत भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह मूर्ति 14 मई 2024 पूजा अर्चना के बाद गोपीनाथ मंदिर के गर्भगृह से मंदिर परिसर में लाई जाएगी।
उत्तराखंड के पंच केदारों में से चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष 18 मई को ग्रीष्मकाल के लिए खोले जाएंगे। बसंत पंचमी के पर्व पर गोपीनाथ मंदिर में पुजारियों, हक-हकूकधारियों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों के सामने पंचांग गणना के आधार पर कपाट खुलने की तिथि निर्धारित की गई।
बुधवार को गोपीनाथ मंदिर में प्रातः कालीन पूजा के बाद 10 बजे मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में रुद्रनाथ मंदिर के पुजारी वेद प्रकाश भट्ट व अन्य हक-हकूकधारियों की उपस्थिति में पंचांग गणना की गई।
उन्होंने बताया कि कपाट खुलने की प्रक्रियाओं के तहत भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह मूर्ति 14 मई 2024 पूजा अर्चना के बाद गोपीनाथ मंदिर के गर्भगृह से मंदिर परिसर में लाई जाएगी। जहां से 16 मई को भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह डोली रुद्रनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। जिसके बाद 18 मई को विधि विधान से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए खोल दिए जाएंगे।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में सख्ती के बीच सर्च अभियान जारी

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
बनभूलपुरा इलाके में हिंसा के बाद से पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है।
बुधवार को भी एसएसबी, आईटीबीपी और पीएसी की सर्च टीमों ने सुबह से ही अभियान की शुरूआत कर घरों की तलाशी शुरू कर दी। आज सुबह से शुरू हुए सर्च अभियान में फोर्स ने दोपहर तक कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि पूरे मामले में पुलिस अभी तक 37 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। करीब 100 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

उत्तराखंड : बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 12 मई को खुलेंगे

घोषणा

8 -नरेंद्र नगर (टिहरी) स्थित राजदरबार में हुई कपाट खुलने की तिथि की घोषणा

देहरादून/नरेंद्र नगर/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के चमोली जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 12 मई (रविवार) को प्रातः 6 बजे खुलेंगे। राजदरबार नरेंद्र नगर में आयोजित धार्मिक समारोह में बुधवार को बसंत पंचमी को पूजा-अर्चना और पंचांग गणना के पश्चात विधि-विधान से यात्रा वर्ष 2024 के लिए कपाट खुलने की तिथि की घोषणा की गयी जबकि तेल-कलश यात्रा की भी तिथि 25 अप्रैल को तय हुई है। इस दौरान राजमहल में कई विशिष्टजन एवं बड़ी संक्ष्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे। टिहरी राजदरबार नरेंद्र नगर में आज प्रातः से कपाट खुलने की तिथि घोषित करने के लिए कार्यक्रम शुरू हुआ। महाराजा मनुज्येंद्र शाह, सांसद रानी माला राज्यलक्ष्मी शाह सहित बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय, राजकुमारी शिरजा शाह की उपस्थिति में पंचांग गणना के पश्चात राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने तिथि तय कर महाराजा के सम्मुख रखी। तत्पश्चात महाराजा मनुज्येंद्र शाह ने कपाट खुलने की तिथि की विधिवत घोषणा की। इस दौरान राजमहल परिसर जय बदरी विशाल के उद्घोष से गूंज उठा।
इससे पहले डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के पदाधिकारी और सदस्यों ने तेल कलश राजदरबार के सुपुर्द किया। इसी कलश में राजमहल से तिलों का तेल पिरोकर आगामी 25 अप्रैल को तेलकलश यात्रा राजमहल से शुरू होकर कपाट खुलने की तिथि पर भगवान बदरी विशाल के अभिषेक के लिए बदरीनाथ धाम पहुंचेगी।
इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होते ही यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। मंदिर समिति आगामी बजट में यात्री सुविधाओं के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान करेगी। उन्होंने बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होने के अवसर पर सबको बधाई दी।
कपाट खुलने की तिथि तय होने के अवसर मुकुंदानंद महाराज, डिमरी पंचायत अध्यक्ष आशुतोष डिमरी, मंदिर समिति सदस्य वीरेंद्र असवाल, श्रीनिवास पोस्ती, पुष्कर जोशी भास्कर डिमरी,राजपाल जड़धारी, हरीश डिमरी, विनोद डिमरी,सुरेश डिमरी, निजी सचिव प्रमोद नौटियाल,मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़, माधव नौटियाल, संजय डिमरी, ज्योतिष डिमरी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सेंसोडाइन ने अपना पहला माउथवॉश लॉन्च कर ओरल केयर श्रेणी में स्थान मजबूत किया

देहरादून। हेलिऑन के मशहूर ओरल केयर ब्रांड सेंसोडाइन ने सेंसोडाइन कम्पलीट प्रोटेक्शन प्लस माउथवॉश लॉन्च किया है। सेंसिटिव दाँतों के लिए विकसित की गई टूथपेस्ट और ब्रश की मौजूदा श्रृंखला के बाद सेंसोडाइन ने इस नए माउथवॉश के साथ अपनी साइंस को एक नए फॉर्मेट में पेश किया है भारत में माउथवॉश ओरल केयर श्रेणी की सबसे तेजी से बढ़ती हुई उपश्रेणियों में से एक है स्वास्थ्य के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ रही है और सेंसोडाइन उन्हें प्रतिदिन माउथवॉश का उपयोग करने के फायदों के बारे में शिक्षित करना चाहता है। सेंसोडाइन द्वारा पहले माउथवॉश के लॉन्च से उत्साहित भावना सिक्का कैटेगरी लीड ओरल हेल्थकेयर हेलिऑन आईएससी ने कहा मुँह का स्वास्थ्य शरीर का स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। इसलिए मुँह को स्वस्थ रखना जरुरी है। हम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विज्ञान पर आधारित उत्तम उत्पाद प्रदान करना चाहते हैं। हमारा यह माउथवॉश लोगों को अपना मुँह स्वस्थ रखने में मदद करेगा। हमें सेंसोडाइन कम्पलीट प्रोटेक्शन प्लस माउथवॉश पेश करने की खुशी है, जो ग्राहकों को दाँतों की झनझनाहट, दाँत की ऊपरी परत के घिसाव और कैविटी से सुरक्षा देगा। इसके साथ अब ग्राहकों को सेंसोडाइन की संपूर्ण श्रृंखला मिलेगी, जिसमें टूथपेस्ट, ब्रश और अब माउथवॉश शामिल हैं।
सेंसोडाइन कम्पलीट प्रोटेक्शन प्लस माउथवॉश रोजाना ब्रशिंग के बाद आपके दाँतों को संपूर्ण सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। इसका अल्कोहल-फ्री फॉर्मूलेशन दाँतों की झनझनाहट और दाँत की ऊपरी कठोर परत को घिसाव से सुरक्षा प्रदान करके दाँतों को मजबूत बनाए रखता है। इसमें मौजूद फ्लोराइड कैविटी से सुरक्षा देता है, और ताजगी भरा स्वाद बिना किसी जलन के तरोताजा अहसास प्रदान करता है।
सेंसोडाइन कम्पलीट प्रोटेक्शन प्लस माउथवॉश भारत में विभिन्न किराना, दवाई की दुकानों, आधुनिक ट्रेड और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगा। यह माउथवॉश दो सुविधाजनक पैक्स 100 मिलीलीटर 130 रुपये और 250 मिली 230 रुपये की एमआरपी में उपलब्ध होगा।

उत्तराखंड: हल्द्वानी के बनभूलपुरा हिंसा में पुलिसकर्मियों पर पत्थर मारने वाली बुकाधारी महिलाएं होंगी चिन्हित

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के नैनीताल जिला स्थित हल्द्वानी के बनभूलपुरा हिंसा के मुख्य आरोपित अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी के लिए हल्द्वानी पुलिस लगातार यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली समेत कई राज्यों में दबिश दे रही है। साथ ही अब्दुल मलिक की प्रॉपर्टी को भी पुलिस चिन्हित कर रही है।
बीती 8 फरवरी गुरुवार को हल्द्वानी के बनभूलपुरा में मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और नमाज स्थल को हटाने गई नगर निगम, पुलिस और प्रशासन की टीम पर बुकार्धारी महिलाओं ने भी पत्थरबाजी की थी। बुर्के की आड़ में महिला दंगाइयों ने भी महिला पुलिस कर्मियों पर जमकर पत्थरबाजी की, जो की सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है। इसे पुलिस बड़े सबूत के रूप में लेकर चल रही है।

हल्द्वानी बनभूलपुरा हिंसा : बच्चों और गर्भवती महिलाओं के उपचार के लिए चिकित्सक तैनात

देहरादून/हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी शहर के बनभूलपुरा में 8 फरवरी को अतिक्रमण हटाने के दौरान दंगाइयों के उपद्रव के बाद से क्षेत्र में कर्फ्यू जारी है। प्रशासन की ओर से लोगों को हर आवश्यक सामग्री और दवाइयां पूर्ति की जा रही है। इसी के तहत बच्चों और गर्भवती महिलाओं के उपचार के लिए चिकित्सक तैनात किए गए हैं।
जिलाधिकारी वंदना सिंह के निर्देश पर कर्फ्यू ग्रस्त क्षेत्र बनभूलपुरा के स्वास्थ्य केंद्र में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए डॉक्टर तैनात किए गए हैं।
बनभूलपुरा क्षेत्र के जोनल मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि कर्फ्यू ग्रस्त बनभूलपुरा क्षेत्र में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र बनभूलपुरा में बाल रोग विशेषज्ञ महिला व प्रसूति चिकित्सक और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा अस्पताल में पैथोलॉजी की सुविधा भी शुरू की गई है। मदरसा के बच्चों को निकटतम स्कूल में होगा प्रवेश - अपर जिला अधिकारी पीआर चौहान ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देशित हुए कहा कि तथाकथित मदरसा में पंजीकृत बच्चों की सूची तैयार करते हुए उनका प्रवेश निकटतम विद्यालय में करने की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें, जिससे बच्चों का पठन पाठन कार्य प्रभावित ना हो। इसकी सूची तैयार करने के लिए नगर मजिस्ट्रेट, हल्द्वानी से समन्वय करते हुए कर्फ्यू के दौरान ही कार्रवाई की जाए, जिससे कर्फ्यू हटने के बाद तत्काल विद्यालय में प्रवेश कराया जा सके।

कर्फ्यू जारी

8 बनभूलपुरा में 8 फरवरी को अतिक्रमण हटाने के दौरान दंगाइयों के उपद्रव के बाद से क्षेत्र में कर्फ्यू जारी है।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की हुई तैनाती

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
जिलाधिकारी वंदना सिंह के निर्देश पर कर्फ्यू ग्रस्त क्षेत्र हल्द्वानी के बनभूलपुरा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए डॉक्टर तैनात किए गए हैं।
बनभूलपुरा क्षेत्र के जोनल मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि कर्फ्यू ग्रस्त बनभूलपुरा क्षेत्र में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र बनभूलपुरा में बाल रोग विशेषज्ञ, महिला एवं प्रसूति चिकित्सक एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा अस्पताल में पैथोलॉजी की सुविधा भी शुरू की गई है।

एक महीने तक बंद रहेगा गौरीकुंड-केदार नाथ हाईवे, वैकल्पिक मार्गों का करें प्रयोग

रुद्रप्रयाग /टीम एक्शन इंडिया
जून 2013 की आपदा से रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे कुंड से सेमी-भैंसारी तक भू-धंसाव जोन में है। बीते एक दशक में यहां पर सुरक्षा कार्य के नाम पर अरबों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन, हालात जस के तस हैं।
गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग कुंड-सेमी-भैंसारी से कालीमठ मार्ग तिराहा तक सुधारीकरण कार्य के चलते एक माह तक बंद रहेगा। इस दौरान रुद्रप्रयाग से केदारघाटी जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग कुंड-चुन्नी बैंड-विद्यापीठ-कालीमठ से संचालित किया जाएगा। उप जिलाधिकारी ने आदेश जारी कर एनएच को तत्काल प्रभाव से यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। जून 2013 की आपदा से रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे कुंड से सेमी-भैंसारी तक भू-धंसाव जोन में है। बीते एक दशक में यहां पर सुरक्षा कार्य के नाम पर अरबों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन, हालात जस के तस हैं। पिछले साल से प्रभावित क्षेत्र का तकनीक से ट्रीटमेंट किया जा रहा है। भू-धंसाव जोन में पांच किमी सड़क को सीसी किया जाना है।

मसूरी में पॉल्यूशन बोर्ड ने 9 होटलों के काटे बिजली के कनेक्शन

हड़कंप

8 -उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड की अनुमति के बिना संचालित हो रहे थे 9 होटल

मसूरी/टीम एक्शन इंडिया
मसूरी में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के बाद उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड के अधिकारियों ने मसूरी में उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड से अनुमति बिना लेकर संचालित हो रहे 9 होटलों की बिजली पानी के कनेक्शन काट दिए गए हैं और होटल का संचालन पर रोक लगा दी गई है।
इससे मसूरी के होटल संचालकों में हड़कंप मच गया।
मसूरी में बुधवार को उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड, मसूरी विद्युत विभाग, गढ़वाल जल संस्थान मसूरी, स्थानीय प्रशासन और मसूरी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मसूरी में बिना पॉल्यूशन बोर्ड के अनुमति के संचालित हो रहे 9 होटलों की बिजली और पानी का कनेक्शन को काट दिया है। बताया जा रहा है कि 282 होटल होटल में से 9 होटलों का संचालन पॉल्यूशन बोर्ड की अनुमति के बिना ही किया जा रहा था। इसको लेकर उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड ने नोटिस देकर अनुमति लेने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कई बार नोटिस देने के बाद भी मसूरी के 9 होटल संचालकों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया और ना ही उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड से अनुमति ली।
इस पर उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड के रीजनल अधिकारी डॉक्टर आरके चतुर्वेदी के नेतृत्व में बुधवार को इन नौ होटलों पर कार्रवाई शुरू की गई। उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड के रीजनल अधिकारी डॉक्टर आरके चतुर्वेदी ने बताया कि मसूरी में पिछले साल एनजीटी के निर्देश के बाद मसूरी में संचालित हो रहे होटलों का निरिक्षण किया गया था। इस निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मसूरी में 282 होटलों में से 9 होटलों ने उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड से होटल संचालन की अनुमति नहीं ली है, जिसके तहत आज 9 होटलों की बिजली-पानी के कनेक्शन काटने के कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि अगर होटल संचालक पॉल्यूशन बोर्ड से नियम अनुसार अनुमति लेंगे तो उनको होटल संचालन करने की अनुमति दी जाएगी।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / समन्वय द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	292-DRM-MB-23-24 dt. 12.02.2024	293-DRM-MB-23-24 dt. 12.02.2024
कार्य का नाम	Provision of new composite girder at Br. No. 1262 ROB/LDR in replacement of old ROB no. 1262 on MB-SRE Section in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK	Provision/Installation of porta cabin structure & container cabins for monitoring cell, linen store & C&W store at C&W depot at DDN under ADEN/HW
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक / समय	12.03.2024, 16:00	12.03.2024, 16:00
अनुमानित लागत	2,45,02,088.69	13,80,360.46
धरोहर राशि	2,72,500.00	27,600.00
टेन्डर फार्म की लागत	शून्य	शून्य
बिडिंग स्टार्ट तिथि	27.02.2024	27.02.2024
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	03 माह

टेन्डर नं- 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 13.02.2024 489/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विकल्प पत्र वितरित होने के साथ ही प्रभावितों को सताने लगी विस्थापन की चिंता

जोशीमठ/टीम एक्शन इंडिया
जोशीमठ भू-धंसाव प्रभावित परिवारों के साथ चिन्हित किए गए हाई रिस्क जोन में आए परिवारों को विकल्प पत्र दिए जाने के बाद लोगों को विस्थापन का डर सताने लगा है, हालांकि अभी सिर्फ विकल्प मांगे गए हैं और विकल्प मिलने के बाद सरकार क्या निर्णय लेगी? यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन विकल्प पत्र वितरित करने की तेजी से शुरू हुई प्रक्रिया से लोग चिंतित अवश्य हो गए हैं।
विकल्प पत्र में दिए गए विकल्पों में एक विकल्प अपनी निजी भूमि का खसरा नंबर व क्षेत्रफल दशार्ने का भी है, इस विकल्प को लेकर जोशीमठ के मूल-पुश्तेनी निवासी इस बात को लेकर भी चिंतित है कि यदि मूल निवासी जोशीमठ क्षेत्र मे ही अपनी निजी भूमि का विकल्प देते भी हैं तो वह भूमि क्या सुरक्षित होगी? इसे लेकर भी मंथन शुरू हो गया है।भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ-रविग्राम के मूल गांवों के नागरिक लगातार बैठकों का आयोजन व विभिन्न माध्यमों से पत्राचार कर अस्तित्व को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।
मंगलवार को भी ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी माधवाश्रम जी महाराज की श्री मठस्थली जोशीमठ मे हुई बैठक मे यह निर्णय हुआ कि जोशीमठ का कोई भी पुश्तैनी निवासी अपने गौचर, पनघट, जल, जंगल जमीन व देवस्थलों को छोड़कर कहीं अन्यत्र विस्थापित नहीं होगा।इस बैठक में भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ में ट्रीटमेंट कार्य शीघ्र शुरू करने व ट्रीटमेंट के दौरान यदि किसी की भूमि व भवन की अधिग्रहण किए जाने की आवश्यकता हुई तो श्री बद्रीनाथ की तर्ज पर मुआवजा दिए जाना चाहिए और यदि कोई उचित मुआवजा लेने के बाद स्वेच्छा से जोशीमठ छोड़कर जाना चाहता है तो इसके लिए वो स्वतंत्र है।बैठक में प्रभावित क्षेत्रों में स्थित सरकारी कार्यालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,स्कूल, कॉलेज आदि को जोशीमठ के सुरक्षित क्षेत्र में ही स्थापित करने, जिन प्रभावितों को उनके भवन का मुआवजा दिया जा चुका है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
टेन्डर संख्या Sr. DEN-IV/Publication/23-24 दिनांक 13.02.2024
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई-टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	284-DRM-MB-23-24 08.02.2024	285-DRM-MB-23-24 08.02.2024	286-DRM-MB-23-24 08.02.2024	287-DRM-MB-23-24 08.02.2024	288-DRM-MB-23-24 08.02.2024	289-DRM-MB-23-24 08.02.2024	290-DRM-MB-23-24 08.02.2024
कार्य का नाम	Heavy repair of road surface at various level crossing in the section of ADEN/NBD Estimate No. 121/2023 (Rev)	Heavy repair to staff quarters in the section of SSE/W/NBD under ADEN/NBD Estimate No 166/2023 (Rev).	Miscellaneous Bridge Works in the section of ADEN/GJL under Sr. DEN/IV/MB. Estimate No 169/2023 (Rev).	Heavy Repair of Road Surface at various Level Crossings in the section of ADEN /GJL under Sr.DEN-IV/MB. Estimate No 176/2023 (Rev).	Upgradation of LC's by shifting of gumti, raising boom pedestral, providing height gauge, sign board, fencing, check rail under Sr. DEN-IV/MB Estimate No 265/2023 (SF)	Miscellaneous Bridge Works in the section of ADEN/HPU under Sr.DEN /IV/MB. Estimate No 273/2023 (Rev).	Heavy repair of road surface at various level crossing in the section of ADEN /HPU. Estimate No. 272/2023 (Rev).
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	12.03.2024	12.03.2024	12.03.2024	12.03.2024	12.03.2024	12.03.2024	12.03.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00	16:00	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत	69,99,989.03	59,99,754.02	59,99,588.82	74,99,097.83	1,58,81,809.15	59,99,588.82	69,99,403.28
धरोहर राशि	1,40,000.00	1,20,000.00	1,20,000.00	1,50,000.00	2,29,400.00	1,20,000.00	1,40,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	6 माह	6 माह	6 माह	12 माह	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	27.02.2024	27.02.2024	27.02.2024	27.02.2024	27.02.2024	27.02.2024	27.02.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
491/24

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 15 फरवरी 2024 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 45 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने बुधवार को दुबई में जेबेल अली मुक्त व्यापार क्षेत्र में डीपी वर्ल्ड द्वारा बनाए जाने वाले भारत मार्ट की आधारशिला रखी।

आदि महोत्सव ने जनजातीय उद्यमिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दर्शाई : अर्जुन मुंडा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय जनजातीय मामले, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने यहां पर चल रहे आदि महोत्सव के हिस्से के रूप में जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मीट में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि इस कार्यक्रम ने जमीनी स्तर पर आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने की गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। इस मौके पर जनजातीय मामले के सचिव सचिव विभु नायर ने बी2बी सत्र के महत्व पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में जनजातीय उद्यमियों के बीच आर्थिक विकास, सहयोग और सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक के रूप में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ के नेतृत्व वाली कार्यशालाओं और पैनल चचाओं में ब्रांडिंग रणनीतियों, पैकेजिंग नवाचारों, फंडिंग पहुंच और बाजार पहचान सहित उद्यमशीलता की सफलता के लिए आवश्यक विषयों पर चर्चा की गई। आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) योजना के तहत एक सहयोगी ढांचे की स्थापना करते हुए भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइ-फेड) और कॉर्पोरेट पावरहाउस आईटीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस पहल का उद्देश्य उन राज्यों में जहां हल्दी की खेती प्रचलित है,से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान और आजीविका में सुधार किया जा सके। बी2बी मीट में आकर्षक चर्चाओं और नेटवर्किंग के अवसरों में 16 निगमों, 4 स्टार्टअप, 3 उद्योग परिसंघों, 1 खाद्य श्रृंखला रेस्तरां, 8 एसआईए व एसएनडी और 5 जैविक खाद्य डीलरों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जो सीधे आदिवासी कारीगरों से जुड़े हुए थे। इन बातचीत का उद्देश्य उत्पादन क्षमताओं और खरीद संभावनाओं में जनजातीय उत्पादों के लिए घरेलू और वैश्विक बाजारों को व्यापक बनाना है। इस कार्यक्रम में 90 विक्रेताओं ने नेटवर्किंग प्रतिभागियों के माध्यम से पंजीकरण कराया। जिसमें मेटा प्रतिनिधियों ने व्यापार विस्तार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का लाभ उठाने पर मार्गदर्शन प्रदान किया। डिजिटल एकीकरण और बाजार पहुंच के उद्देश्य से 20 विक्रेताओं को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) नेटवर्क पर सफलतापूर्वक शामिल किया गया। 250 जनजातीय उद्यमियों के स्टालों वाली जीवंत प्रदर्शनी ने पारंपरिक शिल्प कौशल को समकालीन नवाचार के साथ मिश्रित करते हुए उत्पादों की विविध श्रृंखला से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आदर्श विचार

"सत्य कभी दावा नहीं करता कि मैं सत्य हूं।"

भागवद्

मन की बात

"बाहरी स्वभाव केवल अंदरूनी स्वभाव का बड़ा रूप हैं।"

स्वामी विवेकानंद

किसानों की पुलिस से झड़प

केंद्र सरकार के साथ आज किसान नेताओं की बैठक, शंभू-जींद बॉर्डर पर टकराव, पथराव... बैरिकेड तोड़े

आज होगी वार्ता

8 ट्रैक्टर ट्रॉलियों में टेंट व राशन लेकर निकले किसानों को हरियाणा के बॉर्डर पर रोक दिया गया।

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़/नई दिल्ली

एमएसपी गारंटी कानून और कर्जमाफी समेत 12 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पंजाब के किसानों ने सरकार से वार्ता विफल होने के बाद दिल्ली के लिए कूच किया। पंजाब के विभिन्न इलाकों से ट्रैक्टर ट्रॉलियों में टेंट व राशन लेकर निकले किसानों को हरियाणा के बॉर्डर पर रोक दिया गया। सील किए गए पटियाला के शंभू और जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की बीच कई बार टकराव हुआ। पथराव कर रहे और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश कर रहे किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले, वाटर कैनन और रबड़ की गोलियां चलाईं। जींद में लाठियां बरसाई गईं।

शंभू बॉर्डर: पूरा दिन हुआ टकराव

शंभू बॉर्डर पर सुबह 10.30 बजे से किसान जमा होने लगे थे। करीब 11 बजे किसानों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जो पंजाब सीमा में 300 मीटर अंदर तक गिराए गए। सुरक्षाबलों ने ड्रोन से खेतों और घग्गर किनारे जमा किसानों की भीड़ पर भी आंसू गैस के गोले दागे। सुबह 11 बजे से शाम छह बजे के बीच किसानों और सुरक्षाबलों में कई बार टकराव हुआ। शंभू बॉर्डर पर 10 हजार किसान पहुंचे हैं। आंसू गैस की वजह से मची भगदड़ में कुछ किसान घायल भी हुए हैं और कुछ की हालत बिगड़ गई।

हरियाणा को सरकार ने कश्मीर घाटी बना दिया: पंधेर

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंधेर ने सीमाओं पर बैरिकेडिंग करने की निंदा की। कहा कि ऐसा नहीं लगता कि पंजाब और हरियाणा दो राज्य हैं। ऐसा लगता है कि उनकी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। हरियाणा को कश्मीर घाटी में बदल दिया गया है। हम सरकार के साथ किसी भी टकराव में शामिल नहीं होंगे। सरकार हम पर गोलियां चला सकती है या लाठीचार्ज कर सकती है।

पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी हमारे भाई हैं। हमारा मार्च शांतिपूर्ण होगा। पुलिस ने हरियाणा के किसान नेताओं के घर पर दबिश दी और करीब एक दर्जन किसान नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया गया।

यूएई: हिंदू मंदिर का पीएम ने किया उद्घाटन

बीएपीएस मंदिर में संतों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा अर्चना की

टीम एक्शन इंडिया/अबू धाबी

यूएई के अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम ने मंदिर की दीवारों पर की गई नक्काशी को करीब से देखा। अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर में संतों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा अर्चना की। अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था मंदिर में पूजा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरती की। मंदिर अबू धाबी में 'अल वाकबा' नाम की जगह पर 20,000 वर्ग मीटर की जमीन पर बना है। हाइवे से सटा अल वाकबा अबू धाबी से तकरीबन 30 मिनट की दूरी पर है। बता दें भारतीय दूतावास के आंकड़ों के मुताबिक, यूएई में तकरीबन 26 लाख भारतीय रहते हैं, जो वहां की आबादी का लगभग 30% हिस्सा है। मंदिर में नक्काशी के माध्यम से प्रामाणिक प्राचीन कला और वास्तुकला को पुनर्जीवित किया गया है। मंदिर प्रबंधन के एक प्रवक्ता अशोक कोटेचा ने बताया कि मास्टर प्लान के डिजाइन को 2020 की शुरूआत में पूरा किया गया था। ऐतिहासिक मंदिर का काम समुदाय के समर्थन, भारत और यूएई के नेतृत्व से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने यूएई के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मुलाकात की। मोदी ने मकतूम को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच तेजी से बढ़ते आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों पर संतोष व्यक्त किया और विशेष रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

तीसरी आंख

यासिन को फांसी की सजा पर मई में होगी सुनवाई

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने हत्या और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को फांसी की सजा पर सुनवाई टाल दी। हाई कोर्ट ने इस याचिका पर अगली सुनवाई मई में करने का आदेश दिया। दरअसल, इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच आज सुनवाई के लिए उपलब्ध नहीं थी, जिसकी वजह से सुनवाई टली है। हाई कोर्ट ने एनआईए की याचिका पर सुनवाई करते हुए 29 मई, 2023 को यासिन मलिक को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान एनआईए की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने यासिन मलिक के ऊपर लगे आरोपों को सही पाया था। उन्होंने कहा था कि यह अजीब है कि कोई भी देश की अखंडता को तोड़ने की कोशिश करे और बाद में कहे कि मैं अपनी गलती मानता हूं और ट्रायल का सामना न करे। यह कानूनी रूप से सही नहीं है। एनआईए के पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि मलिक ने कश्मीर के माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की। पटियाला हाउस कोर्ट ने 25 मई, 2022 को हत्या और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने यासिन मलिक पर यूएपीए की धारा 17 के तहत उम्रकैद और दस लाख रुपये का जुर्माना, धारा 18 के तहत दस साल की कैद और दस हजार रुपये का जुर्माना, धारा 20 के तहत दस वर्ष की सजा और 10 हजार रुपये का जुमार्ना, धारा 38 और 39 के तहत पांच साल की सजा और पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। कोर्ट ने यासिन मलिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत दस वर्ष की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना, धारा 121ए के तहत दस साल की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

'एमएसपी को कानूनी गारंटी दिलाएगी कांग्रेस'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के नाम पर मोदी सरकार ने सिर्फ किसानों को छला है। खेड़ा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि स्वामीनाथन कमीशन की 201 सिफारिशें थी, जिसमें से संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार 175 सिफारिशें लागू कर चुकी थी। उसमें 26 सिफारिशें बची थीं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ी घोषणा थी। इसे कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूरा करने की घोषणा की है। खेड़ा ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को एमएसपी देने का वादा किया था। इसे वह पूरा नहीं कर रहे हैं। एमएसपी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल हुआ। उसमें प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हम इस तरह की एमएसपी नहीं दे सकते, जिसमें इनपुट कॉस्ट इतनी ज्यादा हो। ऐसे में प्रधानमंत्री ने न सिर्फ अपना वादा तोड़ा बल्कि किसानों के रास्ते पर कील बिछवाकर और उन्हें उपद्रवी कहने से भी नहीं चूके।

जब पिछली बार किसान 'तीन काले कानून' को लेकर धरना दे रहे थे, तब प्रधानमंत्री ने उनसे माफी मांगते हुए कहा था, "मैं तीनों कानून वापस लेता हूं। एमएसपी की समस्या का समाधान निकालने के लिए जल्द ही एक कमेटी बनेगी।"

पीएम मोदी ने दजेबेल अली में भारत मार्ट का वर्चुअल शिलान्यास किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने बुधवार को दुबई में जेबेल अली मुक्त व्यापार क्षेत्र में डीपी वर्ल्ड द्वारा बनाए जाने वाले भारत मार्ट की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि भारत मार्ट जेबेल अली पोर्ट की रणनीतिक स्थिति और लॉजिस्टिक्स में ताकत का लाभ उठाकर भारत-यूएई द्विपक्षीय व्यापार को और आगे बढ़ाएगा।

उल्लेख अभिभाषण में राज्यपाल ने सुक्खू सरकार की एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख किया

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ विधानसभा का बजट हुआ शुरू

बजट सत्र

8 680 करोड़ रुपए की राजीव गांधी स्वरोजगार योजना के तहत परिवहन विभाग ने ई-टैक्सी स्कीम शुरू की

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/चमन शर्मा

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण के साथ हिमाचल विधान सभा का बजट सत्र से आरंभ हो गया। 29 फरवरी तक चलने वाले बजट सत्र में 13 बैठकें

होंगी। अभिभाषण में राज्यपाल ने सुक्खू सरकार की एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख किया। अभिभाषण पर सदन में दो दिन चर्चा होगी। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 17 फ रवरी को आगामी माली साल 2024-25 का बजट प्रस्तुत करेंगे। अभिभाषण में हिमाचल को वर्ष 2026 तक हरित राज्य बनाने और 680 करोड़ रुपए की राजीव गांधी स्टार्टअप योजना पर फ ोकस रहा। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि उनकी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन का एक साल सफलता पूर्वक पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार हिमाचल को हरित राज्य बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को परिवहन के लिए पहली पसंद बनाने के वास्ते व्यापक स्तर पर काम शुरू किया है। इसके तहत प्रदेश में छह ग्रीन कोरिडोर विकसित किए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क स्थापित करने के लिए 106 सार्वजनिक स्थानों को चिन्हित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि उनकी सरकार ने स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 680 करोड़ रुपए की राजीव गांधी स्वरोजगार योजना के तहत परिवहन विभाग ने ई-टैक्सी स्कीम शुरू की है।

संपादकीय

किसान आंदोलन की चुनौती का पेंच फंसा?

वैश्विक स्तरपर दुनिया सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिष्ठा का ग्राफ वर्तमान समय में जिस तेजी से ऊंचा उठ रहा है,जिस तरह भारत विश्व का जनबंधु होकर उभर रहा है और अपने लक्ष्य 2047 विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है,यह देखकर दुनियां हैरान है। उसी भारत में चुनावीमहापर्व मुहाने पर खड़ा है। यानें संभावित अप्रैल 2024 माह से चुनाव शुरू हो सकता है जिसकी अधिसूचना शायद मार्च की शुरूआत में निकाल सकती है।परंतु जैसे कि अनेक मुद्दों को देखते हुए किसी खास पार्टी की जीत पक्की मानी जा रही है और अबकी बार 50 पर्सेंट वोटिंग शेयर पार सहित 400 पार का नारा दिया जा रहा है, उसमें पेंच फंसता हुआ नजर आ रहा है। यदि तुरंत इससे सुलझाया नहीं गया तो 50 पर्सेंट वोटिंग शेयर सहित 400 पर्सेंट पार लक्ष्य पर ग्रहण लग सकता है, क्योंकि पंजाब हरियाणा साहित कुछ राज्यों की लोकसभा सीटों पर सीधा असर पड़ सकता है दक्षिण से तो वैसे भी बेहद कम उम्मीद है और केवल उत्तर के भरोसे 50 पर्सेंट वोट शेयरिंग और 400 पार मुमकिन नहीं लगता। एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि किसान 72 करोड़ से अधिक हैं यदि ऐसा है तो विपक्ष के जबरदस्त टेके से हो सकता है गेम पलट जाए क्योंकि यह राजनीति है, कुछ स्थाई नहीं होता कुछ भी हो सकता है, जैसे बिहार की पलटी 13 फरवरी 2024 को महाराष्ट्र के पूर्व सीएम की पलटी को रेखांकित करना जरूरी है। चूंकि 13 फरवरी 2024 को हमने किसान आंदोलन को टीवी चैनल के माध्यम से जबरदस्त रार के रूप में देखें जिससे 400 पार का लक्ष्य या तार तार हो सकता है इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकसभा चुनाव 2024 की दहलीज पर किसान आंदोलन को सुलझाए बिना लक्ष्य 50पर्सेंट वोट शेयर और 40 पार पर संकट को रेखांकित करना होगा। साथियों बात अगर हम लोकसभा चुनाव 2024 की दहलीज पर किसान आंदोलन की करें तो, लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले किसान एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। जिस समय राम मंदिर निर्माण के जोश से लबरेज पार्टी अपने पूरे वेग में आगे बढ़ रही थी और पीएम 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, किसान उसके रास्ते में आकर खड़े हो गए हैं। यह माना जा रहा है कि यदि यह मामला नहीं सुलझा, तो पार्टी को इससे नुकसान हो सकता है। तीन-तीन बड़े केंद्रीय मंत्री जिस तरह इस मामले को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, उससे भी यह समझ आ रहा है कि पार्टी को भी इससे नुकसान होने की आशंका है। लेकिन बड़ा प्रश्न यही है कि यदि किसानों का आंदोलन पहली बार की तरह ज्यादा आक्रामक हुआ तो इससे भाजपा को कितना नुकसान हो सकता है? राजनीति के कुछ लोगों का मानना है कि अपनी खोई सियासी जमीन दोबारा हासिल करने के लिए अकाली दल पंजाब के किसान संगठनों को पैसा और संसाधन देकर इस आंदोलन को हवा दे रही है। यानी किसानों की आड़ में राजनीति ज्यादा हो रही है और किसानों का हित करने का इरादा कम है। इधर, उधर अध्यक्ष ने भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के एक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में एलान कर दिया है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है, तो किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाएगी।

कितनी व्यावहारिक है एमएसपी कानून की मांग?

आशीष वशिष्ठ

"स्पष्ट रूप से, समस्या कृषि या आर्थिक नहीं है बल्कि पूरी तरह से राजनीतिक है, जिसे 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले प्रयोजित किया गया है और व्यापक भ्रष्टाचार के रडार के तहत राजनीतिक दलों द्वारा समर्थित किया गया था। 45 लाख करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 25) के बजट व्यय से, सालाना 10 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का विचार एक वित्तीय आपदा के बराबर है जो स्पष्ट रूप से हमारी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार देगा। वहीं यदि किसान संकट में हैं, तो अन्य समुदाय भी अपने आर्थिक और कारोबारी संकट लेकर सडक पर उतर सकते हैं"

दो साल बाद किसान फिर से सड़कों पर हैं। किसानों की मुख्य मांग सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की गारंटी वाला कानून। किसान सरकार से एमएसपी कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। अभी एमएसपी को कानूनी दर्जा हासिल नहीं है। इसका मतलब है कि यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह किसानों को एमएसपी का फायदा देगी या नहीं। तीन केंद्रीय मंत्रियों के साथ हुई वार्ता में बिजली कानून, 2020 को रद्द करने, लखीमपुर के किसानों को मुआवजा, पिछले आंदोलन में मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा, किसानों पर दर्ज आपराधिक मामलों की वापसी आदि मुद्दों पर लगभग सहमति बन गई है, लेकिन बुनियादी गतिरोध न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के गारंटी कानून पर है। सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की गारंटी वाला कानून। एमएसपी किसानों को दी जाने वाले एक गारंटी की तरह होती है, जिसमें तय किया जाता है कि बाजार में किसानों की फसल किस दाम पर बिकेगी। दरअसल, फसल की बुआई के दौरान ही फसलों की कीमत तय कर दी जाती है और यह तय कीमत से कम में बाजारों में नहीं बिकती है। एमएसपी तय होने के बाद बाजार में फसलों की कीमत गिरने के बाद भी सरकार किसानों को तय कीमत पर ही फसलें खरीदती है। सरल शब्दों में कहें, तो एमएसपी का उद्देश्य फसल की कीमत में उतार-चढ़ाव के बीच किसानों को नुकसान से बचाना है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि सरकार एमएसपी पर अपनी नीति को स्पष्ट क्यों नहीं करती? यदि एमएसपी गारंटी कानून व्यावहारिक, संभव नहीं है, तो सरकार किसानों को अपना फैसला क्यों नहीं बताती? क्या आम चुनाव के मद्देनजर यह जोखिम नहीं उठाया जा सकता? कृषि मंत्रालय खरीफ, रबी सीजन समेत अन्य सीजन की फसलों के साथ ही कमर्शियल फसलों पर एमएसपी लागू करता है। वर्तमान में देश के किसानों से खरीदी जाने वाली 23 फसलों पर एमएसपी लागू की गई है। केंद्र सरकार फसलों पर एमएसपी दर लागू करती है और राज्य सरकारों के पास भी एमएसपी लागू करने का अधिकार है। केंद्र सरकार ने किसानों की फसलों को उचित कीमत दिए जाने के उद्देश्य से साल 1965 में कृषि लागत और मूल्य आयोग यानी सीएसीपी का गठन किया था। यह हर साल रबी और खरीफ फसलों के लिए

एमएसपी तय करती है। पहली बार 1966-67 में एमएसपी दर लागू की गई थी। सीएसीपी के द्वारा की जाने वाली सिफारिशों के आधार पर ही सरकार हर साल 23 फसलों के लिए एमएसपी का ऐलान करती है। पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि एमएसपी भारत के कृषि कार्यों का अभिन्न अंग है। हालांकि, यह सच्चाई से कोसों दूर है, वित्त वर्ष 2020 के लिए कुल एमएसपी खरीद रु. 2.5 लाख करोड़, यानी कुल कृषि उपज का 6.25 प्रतिशत थी और एमएसपी के तहत उपज का लगभग 25 प्रतिशत थी। असल में गेहूं और धान की फसलों की खरीद ही एमएसपी पर होती है, क्योंकि खाद्य सुरक्षा और भंडारण के लिए सरकार को इन फसलों की व्यापक खरीद करनी पड़ती है। सरकार जिन 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटती है, उसके लिए भी थोक में बंदोबस्त करना अनिवार्य है। इसके बावजूद करीब 12-14 फीसदी किसानों को ही खरीद का लाभ मिल पाता है। शेष 85 फीसदी से अधिक किसान छोटे और सीमांत हैं। वे सरकारी खरीद के दायरे में बहुत कम आ पाते हैं। इसके अलावा, सरकार के लगातार प्रचार के बाद मोटे अनाज में अब बाजरे की खेती का क्षेत्र बढ़ा है, लिहाजा उसकी खरीद भी बढ़ी है। बाजरे का एमएसपी अच्छा-खासा घोषित किया जाता है। अब, यदि एमएसपी गारंटी कानून लाया जाता है, तो सरकार की नजर अतिरिक्त व्यय पर भी होगी जो सालाना यानी हर साल कम से कम 10 लाख करोड़ का होगा। इसे दूसरी तरह से देखा जाए तो यह लगभग उस व्यय जोकि 11.11 लाख करोड़ रुपये के बराबर है जो इस सरकार ने हाल के अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे के लिए अलग रखा है। 10 लाख करोड़ पिछले सात वित्तीय वर्षों में हमारे बुनियादी ढांचे पर किए गए वार्षिक औसत व्यय से भी अधिक है। साफ है कि एमएसपी कानून की मांग का कोई आर्थिक या राजकोषीय मतलब नहीं है, और यह सरकार के खिलाफ एक राजनीति से प्रेरित तर्क है। हालांकि, भले ही, तर्क के लिए, कोई यह मान ले कि 10 लाख करोड़ की लागत सरकार द्वारा वहन की जा सकती है तो फिर पैसा कहां से आएगा? क्या हम एक नागरिक के रूप में, बुनियादी ढांचे और रक्षा में सरकारी खर्च होने वाले सरकारी खर्च की भारी कटौती को कम करने के लिए तैयार हैं? या प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से अधिक कराधान के विचार से सहमत हैं? लोकसभा चुनाव अब बमुश्किल दो महीने दूर है। लिहाजा सियासी तड़का भी लग रहा है। देश पर सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस ने गारंटी कार्ड खेल दिया है- सत्ता में आए तो सबसे सबसे एमएसपी को कानूनी गारंटी देने का कानून लाएंगे। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को किसान आंदोलन में सियासी लाभ का मौका दिख रहा तो मोदी सरकार बातचीत के जरिए किसानों को मनाने और बात न बनने पर उन्हें दिल्ली पहुंचने से रोकने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। किसान संगठनों की अपनी मांगें हैं लेकिन आंदोलन की टाइमिंग सवाल खड़े कर रही।

चुनाव से पहले ही आंदोलन क्यों? क्या टाइमिंग की वजह से आंदोलन से सियासत की बू नहीं आ रही? वैसे जब भीड़तंत्र के आगे सरकारें सरेंडर करने लगेंगी तो आंदोलन के नाम पर अराजकता से सत्ता को झुकाने की कोशिशें तो होंगी ही। दो साल पहले का किसान आंदोलन देशवासी भूले नहीं हैं। देश की राजधानी को आंदोलन के नाम पर तकरीबन एक साल तक बंधक बनाकर रखा गया। हत्या, रेप, हिंसा...किसान आंदोलन के दौरान क्या-क्या नहीं हुआ। आंदोलन के नाम पर अराजकता का नंगा नाच दिखा। निस्संदेह, किसी भी संगठन को आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन प्रयास होना चाहिए कि आंदोलन हिंसक रूप न ले और आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से तार्किक परिणति तक पहुंचे। किसानों के रवैये को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। परिवहन व्यवस्था सुधारने के बाबत सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। निस्संदेह, किसानों को अपनी जायज मांगें रखनी चाहिए, वहीं सरकार को भी किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार दिखाना चाहिए। वहीं किसानों को भी आने वाले समय में खेती में आने वाली चुनौतियों को भी नजर में रखना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग, भूजल संकट और अन्य खामियों को दूर करने समेत दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिये प्रयास तेज करने चाहिए। सरकार की दलील रही है कि इतने बड़े देश में हर फसल को एमएसपी के दायरे में लाना व्यावहारिक न होगा और उसका अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद हम स्वीकारें कि आज खेती घाटे का सौदा बन गई है। खेती तो क्या, किसी भी उत्पाद का मूल्य सरकार तय नहीं कर सकती।

स्पष्ट रूप से, समस्या कृषि या आर्थिक नहीं है बल्कि पूरी तरह से राजनीतिक है, जिसे 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले प्रयोजित किया गया है और व्यापक भ्रष्टाचार के रडार के तहत राजनीतिक दलों द्वारा समर्थित किया गया था। 45 लाख करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 25) के बजट व्यय से, सालाना 10 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का विचार एक वित्तीय आपदा के बराबर है जो स्पष्ट रूप से हमारी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार देगा। वहीं यदि किसान संकट में हैं, तो अन्य समुदाय भी अपने आर्थिक और कारोबारी संकट लेकर सडक पर उतर सकते हैं।

कविता

धूप है बहुत चलने का वादा तो करो।

धूप है बहुत चलने का वादा तो करो।
भीड़ है निकल आने का इरादा तो करो।।

सो जाऊगा गहरी नींद पल दो पल।
सपनो में आने का,दावा तो करो।।

जमाना ऐसा ही है,ऐसा ही रहेगा।
थोड़ा मुस्कुराने में इजाफा तो करो।।

मजबूर नहीं करते,साथ चलने को।
पायल छनकाने का वादा तो करो।।

बेरंग,बेनूर जिंदगी क्यों जिए हम।
प्यार के रंगों का इजाफा तो करो।

'संजीव' हवाओं पर लिखते है,नाम।
न भूल पानें का झूठा इरादा तो करो।।

संजीव

कृष्ण और वसंत

गिरीश्वर मिश्र

श्रीकृष्ण भाव पुरुष हैं। परब्रह्म के पूर्ण प्रतीक जो लीला रूप में अनुभवगम्य होते हैं। अक्षय स्नेह के स्रोत रस से परिपूर्ण श्रीकृष्ण इंद्रियों के विश्व में आनंद के निर्झर सरीखे हैं। उनका सान्निध्य चैतन्य की सरसता के साथ सारे जगत को आप्लावित और प्रफुल्लित करता है। श्रीमद्भगवद्गीता में विभूति योग की व्याख्या करते हुए श्रीकृष्ण खुद को ऋतुओं में वसंत घोषित करते हैं : ऋतूनाम् कुसुमाकरः । श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्ध में रास प्रवेश करते हुए उनकी निराली छवि कामदेव को भी लजाने वाली है। गोपियों के सामने भगवान श्रीकृष्ण अपने मुस्कराते हुए मुखकमल के साथ पीताम्बर धारण किए तथा वनमाला पहने हुए प्रकट हुए। उस समय वे साक्षात मन्मथ यानी कामदेव का भी मन मथने वाले लग रहे थे। श्रीकृष्ण अप्रतिम सौंदर्य और लावण्य के आगार हैं तो काम को सौंदर्य के मानदंड की तरह रखा गया है। भारतीय संस्कृति में कामदेव की संकल्पना अत्यंत प्राचीन है। इच्छा और कामना की प्रतिमूर्ति के रूप में काम शब्द का प्रथम उल्लेख ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में मिलता है जिसके ऋषि परमेष्ठी प्रजापति हैं, और देवता हैं परमात्मा। व्यक्त और अव्यक्त रूपों वाले कामदेव मन्मथ, अतनु, अनंग, कंदर्प, मदन, पुष्पधन्वा आदि कई नामों से जाने जाते हैं। उनको लेकर अनेक कथाएं और मिथक भी प्रचलित हैं। एक कथा यह है कि कामदेव ब्रह्मा के मन से जन्मे थे। कहते हैं वसंत पंचमी की तिथि पर कामदेव का धरती पर आगमन हुआ। वे धनुष बाण से सज्जित रहते हैं। गन्ने (यानी मधु!) से बने धनुष, भ्रमरों की पंक्ति वाली डोरी (प्रत्यंचा) और फूलों के बाण के साथ वह किसी को भी बेध सकते हैं। जहां सौंदर्य है वहीं काम की उपस्थिति है जैसे-यौवन, स्त्री, सुंदर पुष्प, गीत, पराग कण, सुंदर उद्यान, वसंत ऋतु, चंदन, मंद समीर आदि । आनंद, उल्लास, हर्ष, कामना, इच्छा, अभीष्ट, स्नेह, अनुराग आदि के भाव काम की ही अभिव्यक्तियां हैं। जीवन में काम केंद्रीय है और धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ उसे भी पुरुषार्थ का दर्जा मिला हुआ है । एक कथा के अनुसार देवताओं को तारक असुर के विरुद्ध युद्ध के लिए सेनापति की आवश्यकता हुई। कामदेव की सहायता से शिव का ध्यान पार्वती की ओर आकृष्ट किया गया जिससे शिव की तपस्या भंग हुई। उन्होंने ने क्रुद्ध होकर तीसरे नेत्र से कामदेव को भस्म कर दिया। कामदेव की पत्नी रति की प्रार्थना पर शिव ने कामदेव को प्रद्यम्न के रूप में जन्म पाने की अनुमति दी ।

फिर श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के पुत्र प्रद्युम्न के रूप में कामदेव ने जन्म लिया था। वर्षपर्यंत की भारतीय काल-यात्रा का आरंभ चैत्र मास से होता है और तभी वसंत भी शुरू होता है। वसंत ऋतु समग्रता और पूर्णता का प्रतीक होती है जिसमें विकासमान प्रकृति कुसुमित, प्रफुल्लित, प्रमुदित रूप में सजती-संवरती है। महाकवि कालिदास के शब्दों में इस ऋतु में सब कुछ प्रिय हो उठता है : सर्वम् प्रिये चारुतर वसंते (ऋतु संहार, 6,2)।

विचार

डबल इंजन की सरकार : यहां भी है वहाँ भी

निर्मल रानी

विगत दस वर्षों से भारतीय राजनीति में कई 'नवगढ़ित' शब्दों ने राजनैतिक शब्दावली में अपनी जगह बनाई है। ऐसा ही एक शब्द है 'डबल इंजन की सरकार '। यानी जिस दल की केंद्र में सरकार उसी दल की सरकार का राज्य में भी होना। और यदि 'डबल इंजन की सरकार ' बन भी जाये तो भी सत्ताधीशों की हवस यहीं खत्म नहीं होती। बल्कि फिर यह 'ट्रिपल इंजन की सरकार ' की बात भी करने लग जाते हैं। यानी इनकी इच्छानुसार स्थानीय निकाय से लेकर दिल्ली की संसद तक हर जगह एक ही दल का परचम लहराये। हालांकि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान जहाँ एक मजबूत सरकार होती है वहीँ मजबूत विपक्ष भी उस मजबूत सरकार को नियंत्रित रखने के लिये जरूरी समझा जाता है। परन्तु 2014 में नरेंद्र मोदी के केंद्रीय सत्ता में आने के बाद विपक्ष विहीन लोकतंत्र स्थापित करने की कोशिश की जा रही है और राज्यों में यह माहौल पैदा किया जा रहा है कि केवल डबल इंजन की सरकार ही किसी राज्य को तरक़्क़ी के रास्ते पर ले जा सकती है। दुर्भाग्यवश ऐसी भी कई मिसालें हैं जहाँ भाजपा चुनाव परिणामों में तो कई राज्यों में सत्ता में नहीं आ सकी परन्तु उसने खरीद-फरोख़्त कर या डरा धमका कर या फिर लोभ लालच देकर यानी येन केन प्रकारेण डबल इंजन की अपनी सरकार बना डाली।

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के झाबुआ के गोपालपुरा में जनजातीय समुदाय के सम्मेलन को संबोधित करते हुये अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया व अनेक योजनाओं का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जहां सरकार की अनेक योजनाओं का जिक्र किया वहीं उन्होंने बड़े गर्व के साथ यह भी बताया कि -'मध्यप्रदेश देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है कि डबल इंजन की सरकार कैसे काम करती है'। यहां एक अहम सवाल यह उठता है कि नरेंद्र मोदी स्वयं जब 2001 से लेकर प्रधानमंत्री बनने से पहले यानी 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री थे उस दौरान उनके शुरूआती मुख्यमंत्रित्व काल में ही यानी 2004 तक ही केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार सत्ता में थी। यह वही वाजपेई काल था जब 2002 के गुजरात नरसंहार के बाद वाजपेई ने मोदी को राजधर्म निभाने का उपदेश दिया था और गुजरात की बेलगाम हिंसा से आहत होकर कहा था कि 'मैं दुनिया को क्या मुंह दिखाऊंगा ? ' जबकि उसके बाद 2014 तक यानी दस वर्षों तक तो केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू पी ए सरकार सत्ता में थी। परन्तु नरेंद्र मोदी ने इसी दौरान गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात और इन्वेस्टर्स मीट आयोजित किये तथा उद्योग व पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने का प्रयास किया। यहाँ तक कि गुजरात के उसी कथित विकास मॉडल को लेकर 2013 में चुनाव प्रचार के दौरान यह भी कहते सुने गये कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद पूरे देश में गुजरात मॉडल लागू करेंगे।

गोया नरेंद्र मोदी के अनुसार गुजरात ने उनके कार्यकाल में ही विकास की अभूतपूर्व इबारत लिखी। सवाल यह कि जब राज्य में उस समय डबल इंजन की सरकार नहीं थी तो गुजरात का विकास बिना केंद्र सरकार के सहयोग के कैसे संभव हुआ ? दिल्ली व पंजाब सहित उड़ीसा,दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर के कई राज्य इस समय भी गैर भाजपाई सरकारें चला रहे हैं। क्या वहां विकास नहीं हो पा रहा ? और इस बात की भी क्या गारंटी है कि डबल इंजन की सरकार ही विकास कर सकती है ? यदि वे मध्य प्रदेश की सरकार को देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बताते हुये यह कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार ही विकास का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बन सकती है' तो उन्हें मणिपुर का भी उदाहरण जरूर देना चाहिये जहाँ डबल इंजन की भाजपा सरकार के रहते हुए ही वह सब कुछ हुआ जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक किसी भी राज्य में नहीं हुआ। शायद छोटा व दूरस्थ पहाड़ी राज्य होने के नाते मणिपुर की हिंसा पर न ही प्रधानमंत्री ने कोई बयान दिया न ही राज्य के मुख्यमंत्री ने त्यागपत्र दिया ? वहां तो राज्य के भाजपाई मंत्रियों विधायकों संसद व अन्य भाजपा नेताओं के घरों तक को आग लगा दी गयी ? उस समय डबल इंजन की सरकार ने मूकदर्शक बने रहने के सिवा और कौन सा तीर मार दिया ?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

बातें वेलेंटाइन की

डॉ. सुरेश कुमार

उनका नाम चिंतामणि है। हमेशा चिंता करते रहते हैं। उनकी चिंता के चलते उनका गंजा सिर मणि समान चमकता रहता है। यही कारण है कि उनका नाम चिंतामणि हो गया। वे आजकल देर शाम बैठकें आयोजित कर रहे हैं। या यूँ कहें कि बैठकों के नाम पर अपने पर्सनल अजेंडे को पूरा करने का काम कर रहे हैं। एक दिन बैठक समाप्त करने के बाद वे मेरे पास आए और बोले, देखते नहीं वेलेंटाइन आ रहा है और तुम हो कि बैठक से गायब रहते हो। विरोध करने के लिए आज मैंने चिंतन शिविर का आयोजन किया था। उसी का यह तीसरा दिन है। मैंने कहा, इसमें विरोध करने जैसी क्या बात है? लड़का-लड़की प्यार नहीं करेंगे तो आप और हम करेंगे। वैसे भी आप तो सदा लोगों के साथ रहने वाले मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं। वेलेंटाइन के विरोध से आपका क्या लेना-देना? वे बोले, तुम तो रहने ही दो। तुम्हारी कोई लड़की तो है नहीं। इसीलिए निश्चिंत हैं। ये नादानी वाली बातें करना छोड़ दें। आज चिंतन शिविर में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि देश की संस्कृति इस वेलेंटाइन की वजह से भ्रष्ट हो रही है। युवा गलत दिशा में जा रहा है। कुल मिला कर विरोध नहीं किया तो परिणाम गलत होना है। मैंने कहा, चिंतामणि जी, वैसे आपकी भी तो कोई बेटी है नहीं। फिर काहे का मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन की तर्ज पर मुझे लपेटे जा रहे हैं। वेलेंटाइन में लड़का-लड़की को देखकर इतना भड़क क्यों जाते हैं आप? साल के बाकी दिन भी तो लड़के-लड़कियाँ मिलते हैं। तब तो कोई दिक्कत नहीं होती आपको? चिंतामणि जी का माथा ठनका बोले, मुझे लगा था आप नियमित रूप से पत्र-पत्रिकाओं में लिखते रहते हैं, समझ भी अच्छी खासी होगी। लेकिन आप तो निरा मूरख निकले। अरे भई युवाओं के पास तो मजे मारने और मिलने-जुलने के 365 दिन हैं लेकिन हमें अपने स्वार्थ साधने के लिए जो चंद दिन मिलते हैं वेलेंटाइन उनमें से एक महत्वपूर्ण अवसर है। विरोध जितना तीखा होगा, उसके लाभ उतने ही ज्यादा होंगे। आज के चिंतन शिविर में मैंने कुछ स्थानों का चिह्नांकन करवाया है। उदाहरण के लिए लैला-मजनूँ उद्यान, खाओ-पिओ मौज उड़ाओ रेस्त्रां, लूटो मॉल, कामायनी सिनेमागृह, बियाबान, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, दिलशाद गार्डन और मधुशाला बीयरबार सभी जगह अपने लोगों की तैनाती करवाना है। सोचा था आप कुछ काम आयेंगे। लेकिन आप तो फिसड्डी निकले।

वैश्विक नेतृत्व की जिजीविषा पैदा करेंकुर्सीलाल और

संजीव

हमें स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष हो चुके हैं । हम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव वर्ष मना रहे हैं पर इस अमृत महोत्सव के पीछे हमें यह नहीं भूलना है कि भारत देश अब एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। अब समय आ गया है कि भारत के तमाम बुद्धिजीवियों,नौजवानों के वैज्ञानिकों और शिक्षित देशवासियों को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होने की क्षमता को द्विगुणित करना होगा और विश्व के एक प्रबल नेता की तरह हमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी होगी। कई वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेको जीवन का बलिदान देने और विभिन्न कठोर संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस स्वतंत्रता और स्वाधीनता के मूल्य और इसकी अंतर्निहित शक्ति को देश के नौजवानों,शिक्षित नागरिकों को आत्मसात कर इसे पहचानना होगा' समाज के हर वर्ग की खून पसीने और पीढीयों के संघर्ष के बाद प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है। स्वतंत्रता के महत्व को समझ कर भारत को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंचाना होगा तब जाकर स्वाधीनता के सही मायने फलीभूत होंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदान को किसी भी क्षणों में नहीं भुलाना चाहिए, हमें हाथ में रखकर किसी ने परोस के स्वतंत्रता नहीं दी है, इसके लिए बहाये हुए खून पसीने को विस्मृत न कर के इस की आन बान शान को हमेशा ऊंचा रखना होगा। कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए इसके लिए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा।

स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं।

धामी मंत्रिमंडल ने नई आबकारी और हवाई संपर्क योजना को दी मंजूरी, बजट सत्र दून में होगा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

धामी मंत्रिमंडल में बुधवार को नई आबकारी नीति, उत्तराखंड एयर कनेक्टिविटी स्कीम, विधानसभा सत्र गैरसैंण में न होकर देहरादून में आयोजित करने, प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी नियमावली सरलीकरण, पंतनगर हवाई अड्डा के विस्तारीकरण,भाषा सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं।

सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसके पश्चात मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंत्रिमडल में लिए गए निर्णयों की ब्रीफिंग की।मुख्य सचिव रतूड़ी ने बताया कि एयर कनेक्टिविटी स्कीम के तहत राज्य में हवाई संपर्क की बाधाओं को दूर और इस क्षेत्र की क्षमता को बढ़ाने के लिए उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड नागरिक उड्डयन क्षेत्र को विस्तृत करने, निर्बाध यात्रा और क्षेत्र की समग्र कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के

बैठक

8 -धामी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसके पश्चात मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंत्रिमडल में लिए गए निर्णयों की ब्रीफिंग की

लिए एयर संचालकों को राज्य के घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय संपर्क को विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ताकि पर्यटन, व्यापार और विकास की पूरी क्षमताएं खुल सकती हैं। आयुष और आयुष शिक्षा विभाग में पद सृजन किए गए हैं। कुल 82 पदों का सृजन किया गया है।

विधानसभा के बजट सत्र को लेकर विधायकों की ओर से विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री को प्रत्यावेदन दिया गया है कि अगला सत्र जो इसी महीने के अंत में होना है, उसको गैरसैंण

में न कर देहरादून में किया जाए। इस पर सत्र की तिथि और निर्णय को लेकर मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री को अधिकृत किया है।

इस बार ग्रीष्मकालीन सत्र ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में आयोजित किया जा सकता है।

नई आबकारी नीति को मंजूरी दी गई है। आबकारी विभाग की आय 4000 करोड़ के लक्ष्य को 10 फीसद बढ़कर 4400 करोड़ निर्धारित किया गया है।

गृह विभाग की प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी नियमावली पास हुई है। यूसीसी की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए समय बढ़ाया गया है। इसके लिए समय बहुत कम था। कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति की भुगतान के लिए जिनको गोल्डन कार्ड से बाहर किया गया है, उनका जो भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति का खर्चा होगा, वह उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। रिटायर और पेंशनर्स को 50000 रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। जो छात्र देश के 50 टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेंगे। पहले 100 टॉप छात्रों को पंतनगर हवाई अड्डा के विस्तारीकरण का निर्णय लिया गया।1750 मीटर में 3000 मीटर किया जाएगा।उन्होंने बताया कि भाषा और बोली विभाग से भाषा और बोली कि अकादमी के लिए 41 पद स्वीकृत किए गए हैं।

नियोजन विभाग से नियोजन से संबंधित 24 स्थान हैं, उनके संगठनात्मक ढांचे में आंशिक संशोधन किए गए हैं। भर्ती खुले बाजार से करने का निर्णय लिया गया है। चिकित्सा और स्वास्थ्य से एक्स-रे टेक्निशियन संवर्ग 161 पद हैं, जिनको को पदोन्नति देने के लिए शिथिलता प्रदान की गई है, जिससे कि उनका प्रमोशन सके। कौशल विकास और सेवायोजन से आईटीआई में जो प्रशिक्षण वाले विद्यार्थी हैं, उनको यूनिफॉर्म आदि के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा।

वन विभाग जनपद अल्मोड़ा योग दा आश्रम समिति को तीन हेक्टर वन भूमि को 30 साल के लिए लीज पर देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, अब इसे केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने विकल्प रहित संकल्प भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उन लक्ष्यों को संकल्प तक पहुंचाने के लिए हमें मेहनत करनी चाहिए और किसी भी संकल्प में कोई विकल्प नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नेह्लह्लविकल्प रहित संकल्पह्लह्ल भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए कही। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस संकल्प में विकल्प नहीं होता वह संकल्प अवश्य पूर्ण होता है और हम इसी ह्लह्लविकल्प रहित संकल्पह्लह्ल को लेकर ह्लह्ल21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

युवा संकल्प की अलख जलाये रखने के उद्देश्य से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विकल्प रहित संकल्प परिवार के तत्वावधान में 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

राजस्व में 11 फीसद की वृद्धि का लक्ष्य

आबकारी नीति

8 -जड़ी बूटियों और स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा, स्थानीय किसानों को मिलेगा लाभ

देहरादून

धामी सरकार ने राज्य की आबकारी नीति को और भी अधिक पारदर्शी बनाते हुए मिलावटी शराब को रोकने,पर्यटन प्रदेश होने के नाते ब्रांड उपलब्धता सुनिश्चित करने व राजस्व बढ़ाने की दृष्टि से उत्तराखण्ड आबकारी नीति विषयक नियमावली 2024 के तहत अहम कदम उठाये हैं। अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4440 करोड़ के साथ 11 फीसद वृद्धि का लक्ष्य दिया गया है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 के राजस्व लक्ष्य 4000 करोड़ के सापेक्ष 11 फीसद की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए 4440 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। इसके साथ ही पर्वतीय क्षेत्र में इनोवेशन और निवेश को प्रोत्साहन के लिए माइक्रो डिस्टिलेशन इकाई की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जिसे सूक्ष्म उद्योगों की श्रेणी में कम से कम क्षेत्रफल में स्थापित किया जा सकेगा जो कि आर्थिक रूप से सक्षम होने के साथ हिमालयी क्षेत्र की पर्यावरणीय मानकों के अनुकूल होने से स्थानीय पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उत्तराखंड में संचालित आसवानी में उच्च गुणवत्ता की मदिरा निर्माण होने से एक ओर राजस्व में वृद्धि होगी वही राज्य में प्रचुर मात्रा में

उगने वाली वनस्पतियों, जड़ी बूटियों का उपयोग होने से स्थानीय किसानों हेतु आय के नए साधन उत्पन्न होंगे और राज्य में निर्मित मदिरा को विश्वस्तर पर पहचान मिलेगी। राज्य की उच्च गुणवत्तायुक्त जड़ी-बूटियों, फलों, फूलों और हिमालय की जलवायु, वातावरणीय शुद्धता के कारण उच्च गुणवत्ता के जल स्रोत व अन्य कारकों के कारण विश्वस्तरीय सुगंधित मदिरा के मदिरा/मॉल्ट के उत्पादन के हब के रूप में राज्य प्रतिष्ठित हो सकेगा। जिस प्रकार यूरोप में स्कॉटलैंड, इटली आदि विश्वस्तरीय मदिरा के लिए प्रतिष्ठित है। उसी प्रकार हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड विश्वस्तरीय स्प्रिटामॉल्ट के उत्पादन केंद्र के रूप में अतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो सकेगा।

विदेशी मदिरा की भराई (बॉटलिंग) के लिए आबकारी राजस्व एवं निवेश के दृष्टिगत प्रथम बार प्रावधान किए जा रहे हैं ताकि प्रदेश "उपभोक्ता राज्य से उत्पादक एवं निर्यातक राज्य के रूप में स्थापित हो सके। प्रदेश में विदेशी मदिरा के थोक व्यापार को उत्तराखण्ड राज्य के मूल/स्थायी निवासियों के रोजगार के लिए भारत में निर्मित विदेशी मदिरा (आईएमएफएल) की आपूर्ति के थोक अनुज्ञापन / व्यापार (एफएल-2) अनुज्ञापन को उत्तराखण्ड के अर्ह नागरिकों को देने का प्राविधान किया गया है। आबकारी राजस्व अर्जन की दृष्टि से प्रथम बार ओवरसीज मदिरा की आपूर्ति के लिये थोक अनुज्ञापन एफएल-2(ड) का प्रावधान किया गया है, जिससे कस्टम बॉण्ड से आने वाली ओवरसीज मदिरा के व्यापार को राजस्व हित में नियंत्रित किया जा सकेगा। राज्य की कृषि/बागवानी से जुड़े कृषकों के हित में देशी शराब में स्थानीय फलों यथा कीनू, माल्टा, काफल, सेब, नाशपाती,तिमूर, आड़ आदि का समावेश किया जाना अनुमन्य किया गया है।

मदिरा दुकानों का व्यवस्थापन नवीनीकरण,दो चरणों की लॉटरी, प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धांत पर पारदर्शी एवं अधिकतम राजस्व अर्जन की दृष्टि से किया जाएगा।

नवीनीकरण उन्हीं अनुज्ञापियों का किया जाएगा, जिनकी समस्त व्यपगत देयताएं बेबाक हों और प्रतिभूतियां सुरक्षित हों। आवेदक को आवेदन पत्र के साथ दो वर्ष का आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य होगा। एक आवेदक सम्पूर्ण प्रदेश में अधिकतम तीन मदिरा दुकानें आवंटित की जा सकेंगी।

प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित मदिरा दुकान के सापेक्ष उप दुकान खोले जाने की अनुमति राजस्व हित दी जा सकेगी।

लालकुआं नगर क्षेत्र से धारा 144 हटी

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी के परगना मजिस्ट्रेट ने लालकुआं नगर क्षेत्र में गत 9 फरवरी से लागू की गयी धारा 144 को हटा दिया गया है।

हल्द्वानी के परगना मजिस्ट्रेट परितोष वर्मा की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, ह्यपरगना हल्द्वानी के हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत थाना बनभूलपुरा क्षेत्र में समुदाय विशेष द्वारा बनभूलपुरा क्षेत्र, हल्द्वानी के पूर्व चिन्हित स्थल से अतिक्रमण हटाये जाने-ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान विरोध-पथराव-आगजनी की घटनाएं किये जाने के कारण कानून एवं शान्ति व्यवस्था भंग होने की सम्भावनाओं के दृष्टिगत दिनांक 09.02.2024 को परगना हल्द्वानी के लालकुआं नगर क्षेत्र में अग्रिम आदेशों तक धारा 144 सीआरपीसी के आदेश पारित किये गये थे।

ब्रह्मलीन योगीराज स्वामी शान्तानंद की पुण्यतिथि मनाई गई

श्रद्धांजलि

8 बुधवार को आश्रम में गीता पाठ हवन भजन कीर्तन एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम समारोह पूर्वक हुआ ।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

श्री गीता आश्रम में ट्रस्ट के पूर्व संस्थापक ब्रह्मलीन योगीराज स्वामी शान्तानंद सरस्वती की 24 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाई गई। बुधवार को आश्रम में गीता पाठ हवन भजन कीर्तन एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम समारोह पूर्वक हुआ ।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में महामंडलेश्वर स्वामी दिव्या भारती, योगी उमेश

दिव्यानंद शास्त्री, चंद्र मित्र शुक्ला, इंद्रप्रकाश अग्रवाल, श्रीमती शकुंतला राजपूत आदि महानुभाव उपस्थित थे।

ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ दीपक गुप्ता ने संदेश भेजकर श्रद्धांजलि अर्पित की वक्ताओं ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी शांतानंद महान कर्मयोगी थे और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी वेदव्यास आनंद महाराज के परम कृपा पात्र थे। उन्होंने गीता आश्रम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया वे कर्म योगी के साथ व्यवहार कुशल एवं गीता एवं भारतीय संस्कृति का देश-विदेश में प्रचार कर अनेक केंद्रों की स्थापना की। इस अवसर पर उपस्थित महानुभावों में श्रीमती प्रमिला शाह,दया जोशी, विमला देवी ,गीता चैतन्य, प्रेम प्रसाद, त्रिभुवन उपाध्याय, बंसी नौटियाल, नीरज शास्त्री, उदय राम, राजेंद्र चौहान ,साधना देवी आदि महानुभाव उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भानु मित्र शर्मा ने किया।

हल्द्वानी के विवादित बगीचे पर उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई

श्रद्धांजलि

8 बुधवार को आश्रम में गीता पाठ हवन भजन कीर्तन एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम समारोह पूर्वक हुआ ।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

ल्द्वानी के बनभूलपुरा में बीती 8 फरवरी को हुईं हिंसक वारदात के बाद चर्चा में आये ह्यमलिक का बगीचाह्ल और नजाकत अली के बगीचे के मामले में बुधवार को उत्तराखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता साफिया मालिक की ओर से वरिष्ठ न्यायाधीश सलमान खुर्शीद ने वर्चुअल यानी ऑनलाइन माध्यम से पैरवी की।

सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय की वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने सरकार से चार सप्ताह में जवाब देने और याचिकाकर्ता से दो सप्ताह के भीतर प्रति उत्तर देने को कहा। इसके बाद यानी 6 सप्ताह बाद उच्च न्यायालय इस मामले में अगली सुनवाई कर सकता है।

उच्च न्यायालय में बहस के दौरान याचिकाकताओं की ओर से कहा गया कि उन्हें नोटिस जारी करने के चार दिनों के भीतर उनकी संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया जबकि कार्यवाही 15 दिनों के बाद की जाती है। उन्हें उस भूमि से न हटाया जाए और उनके निर्माण का ध्वस्तीकरण नियमित कानूनी प्रक्रिया के बाद ही किया जाए।

न्यूज फ्लैश

दो पुलिस उपाधीक्षकों का स्थानांतरण

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

दो पुलिस उपाधीक्षकों को उनकी वर्तमान तैनाती से स्थानांतरित किया गया है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अन्नराम आर्य, 46वीं वाहिनी पीएसी से जनपद ऊधमसिंह नगर और सुमित पाण्डे, एसटीएफ देहरादून से जनपद नैनीताल भेजा गया है।

बीएचईएल को हरियाणा के पहले 800 मेगावाट अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का ऑर्डर मिला

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने यमुनानगर, हरियाणा में 800 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने का ऑर्डर प्राप्त किया है। यह प्लांट हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के स्वामित्व में लगेगा।बीएचईएल हरिद्वार के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार 800 मेगावाट का दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट हरियाणा की पहली अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी-आधारित बिजली परियोजना होगी । चालू होने पर, यह संयंत्र, राज्य में मौजूदा इकाइयों की तुलना में कम कोयले की खपत करेगा। बीएचईएल ने हरियाणा में 3,000 मेगावाट से अधिक की केंद्रीय और राज्य थर्मल यूटिलिटी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है, और 1974 से राज्य के बिजली विकास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है ।

बीएचईएल इस परियोजना में विद्युत और नियंत्रण उपकरण कार्यों के साथ-साथ स्टीम जनरेटर, टरबाइन और संबंधित सहायक उपकरणों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य करेगा। इस पावर प्लांट में नवीनतम तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण भी लगाए जाएंगे।

परियोजना के लिए मुख्य उपकरणों की आपूर्ति बीएचईएल की हरिद्वार, त्रिची, बेंगलुरु, हैदराबाद, भोपाल और रानीपेट विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाएगी, और साइट पर निष्पादन, कंपनी के पावर सेक्टर - उत्तरी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा।देश में स्थापित 1,34,000 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांटों के अपने विशाल पोर्टफोलियो के साथ, बीएचईएल, थर्मल यूटिलिटी परियोजनाओं में मार्किट लीडर है और साथ ही जीवनकाल बढ़ाने और दक्षता और विश्वसनीयता को उन्नत करने के लिए पुराने सेटों के आर एंड एम के क्षेत्र में भी अग्रणी है।

1 सप्ताह के भीतर दर्ज करा सकते हैं बयान

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में बीती 8 फरवरी को हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के लिए उत्तराखंड शासन ने कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत को 10 फरवरी को जांच अधिकारी नामित किया था।

इसी क्रम आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि किसी व्यक्ति को बनभूलपुरा में हुई घटना से संबंधित कोई भी तथ्य, साक्ष्य, बयान दर्ज कराने हों तो वह एक सप्ताह के भीतर आयुक्त कुमाऊं मंडल नैनीताल के कैंप कार्यालय-खाम बंगला हल्द्वानी में कार्यालय कार्य अवधि (सुबह 10 से शाम 5) बजे तक उनके समक्ष उपस्थित होकर अथवा कैंप कार्यालय के नंबर 05946-225589 में संपर्क कर अपने बयान अंकित करा सकते हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया सरस्वती पूजन व विद्यारंभ संस्कार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

बसंत पंचमी के अवसर पर भेल सेक्टर-2 स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सरस्वती पूजन व विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया। पुरोहित रुद्र प्रताप शास्त्री, तारा दत्त जोशी, दिनेश और मनीष शर्मा ने हवन यज्ञ से विद्यारम्भ संस्कार का प्रारंभ कराया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक दीपक सिंघल, प्रधानाचार्य लोकेन्द्र दत्त अंथवाल, अभिभावक, प्रबंध समिति के सदस्य, सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य अमरनाथ सैनी,

प्रबंधक रणधीर, कोषाध्यक्ष विष्णु, प्रधानाचार्य कमल रावत, सरस्वती विद्या मंदिर की पूर्व छात्रा हिमानी शर्मा, नीरज, लीना एवं छात्र संसद तथा कन्या भारती छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रवीण कुमार ने किया।

विद्यालय के प्रबंधक दीपक सिंघल ने सभी को बसंतोत्सव की शुभकामनाएं दी तथा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

प्रधानाचार्य लोकंद्रदत्त अंथवाल ने कहा कि आज बसंतोत्सव के साथ वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस भी है और बताया कि किस प्रकार वीर हकीकत ने धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था।

उन्होंने कहा कि पतंग जब तक उड़ती है। जब तक डोर से बंधी रहती है। इस प्रकार भारत का अस्तित्व जब तक बना रहेगा। जब तक वह अपनी संस्कृति से जुड़ा हुआ है। किसी भी कारण से हमें अपनी संस्कृति को नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यालय में नए प्रवेश प्रारंभ के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो गए हैं, जो विद्यार्थी विद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं। कार्यालय में संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

उपनल कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, कलेक्ट्रेट परिसर में दिया धरना प्रदर्शन

अनदेखी

8 वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगों को लेकर सिर्फ कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं।

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया

उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले विभिन्न विभागों के कर्मियों ने सात सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। कर्मियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एसएलपी को वापस लेते हुए नैनीताल हाईकोर्ट के वर्ष 2018

में दिए गए आदेश को लागू किया जाए। चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

डीएम कार्यालय परिसर में उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कई विभागों के कर्मियों ने एकत्र होकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगों को लेकर सिर्फ कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं। अल्प वेतन में परिवार का भरण पोषण मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर लंबे समय से आवाज उठाई जा रही है लेकिन सरकार कोई समारात्मक कार्यवाही नहीं कर रही है। यहां तक कि उन्हें समय से वेतन तक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

धरना.प्रदर्शन करने वालों में संदीप कलखुड़िया, मनोज बिष्ट, शंकर जोशी, नरेंद्र खोलिया, राजेंद्र सिंह महर, दीपक सिंह खाती, मदन सिंह महर आदि शामिल रहे।

ये हैं प्रमुख मांगें-

-उपनल कर्मियों के वेतन में 20 फीसदी वृद्धि प्रति वर्ष की जाए।

-मृतक आश्रितों को नौकरी दी जाए, पांच वर्ष पूरे कर चुके कर्मियों के पद सृजित किए जाएं।

-माध्यमिक शिक्षा में कार्यरत प्रयोगशाला सहायकों को उच्च शिक्षा की तरह कुशल श्रेणी में रखा जाए।

-ऊर्जा निगम में स्थगित महंगाई भत्ते को बहाल कर राज्य के सभी विभागों में इसे लागू किया जाए।

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर समस्त अधिकारियों कर्मचारियों ने ली शपथ

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शानुसार नगर निगम ऋषिकेश में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मतदाता शपथ ली गई। बुधवार को शैलेंद्र सिंह नेगी नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश तथा श्रीमती कुमकुम जोशी उप जिलाधिकारी ऋषिकेश द्वारा शपथ दिलाई गई।

इसके साथ ही श्रीमती सोनिका जिला निर्वाचन अधिकारी देहरादून तथा शैलेंद्र सिंह नेगी नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश की संयुक्त पहल पर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मतदाता

जागरूकता के लिए दीवार लेखन कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्रीमती कुमकुम जोशी उप जिला अधिकारी ऋषिकेश भी उपस्थित हुई।

सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन में अनिवार्य रूप से अपने मत का प्रयोग करें तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं डियोडरैंट

डियोडरैंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाए तो आंखें लाल हो जाती हैं और अगर तुरन्त शुद्ध पानी से न धोया जाए तो रोशनी भी जा सकती है।

शरीर में पसीना आना कुदरती है। प्रकृति ने जानवर और इंसानों के शरीर से रक्त और अन्य कोशिकाओं से गंदगी बाहर निकालने तथा इसे ठंडा रखने के लिए पसीने की ईजाद की है। अगर आप माइक्रोस्कोप या पढ़ने वाले लैंस से देखें तो आपको शरीर पर बारीक छिद्र दिखेंगे जहां से पसीना बाहर आता है।

त्वचा के पीछे पसीने की ग्रंथियां होती हैं। अधिक गर्मी तथा शारीरिक मेहनत अथवा मानसिक तनाव या परेशानी और घबराहट की स्थिति में ग्रंथियां पसीना छोड़ती हैं। कैदी के पसीने से पुलिस उसके झूठ बोलने के अंदाजा लगा लेती है। यह तकनीक झूठ बोलने वाली मशीन (लाई डिटेक्टर) में भी इस्तेमाल होती है।

हमारे शरीर से निकलने वाला पसीना त्वचा की सतह पर फैल कर इसे ठंडा रखने में मदद करता है। शरीर में औसतन 20,000,00 (बीस लाख) ग्रंथियां होती हैं जो रक्त को शुद्ध रखने में मदद करती हैं। पसीने में प्रायः 18 प्रतिशत पानी और उसमें घुला अमोनिया, प्रोटीन, नमक और वसा मौजूद होते हैं।

पसीना अगर बहुत ज्यादा है तो पसीने में दुर्गंध आती है तथा बगल से निकलने वाले पसीने से कपड़े पीले पड़ जाते हैं जो धोने पर भी नहीं जाते। कभी-कभी तो दुर्गंध इतनी तेज होती है कि व्यक्ति के कमरे में दाखिल होते ही कमरा दुर्गंध से भर जाता है।

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की खुशबुओं के डियोडरैंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरैंट्स का नजारा होटलों और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरैंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरैंट्स सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरैंट्स में एल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाए जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर विराजमान ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइए डियोडरैंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें-

- डियोडरैंट्स त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लम्बे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरैंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाए तो आंखें लाल हो जाती हैं और अगर तुरन्त शुद्ध पानी से न धोया जाए तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरैंट्स में पाए जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरैंट्स में पाए जाने वाले एल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुल कर लम्बे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरैंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें। ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है। और इससे अचानक मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरैंट्स का उपयोग नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिए 10-12 गिलास पानी पीएं। पानी में डिटॉल या नींबू का रस मिला कर नहाएं। शरीर में महक बढ़ाने के लिए नहाने के पानी में गुलाबजल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगाएं।
- बाजार से डियोडरैंट्स खरीदते समय देख लें कि उसमें एल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि वह सेहत के लिए हानिकारक है। डियोडरैंट्स अगर एल्यूमीनियम क्लोरहाइड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिए अत्यधिक सुरक्षित है। प्रोपेन, ब्यूटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरैंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फलों का सेवन अधिक करें तथा डियोडरैंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस

शरीर में पाए जाने वाले कई खनिजों में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक होती है। औसतन 1200 ग्राम कैल्शियम शरीर में पाया जाता है। इसमें से लगभग 11 प्रतिशत कैल्शियम, कैल्शियम फॉस्फेट के रूप में पाया जाता है। वुमन भास्कर के लिए यह खास जानकारी शहर के चिकित्सकों ने दी है, ताकि महिलाएं कैल्शियम की कमी से ग्रस्त न हों

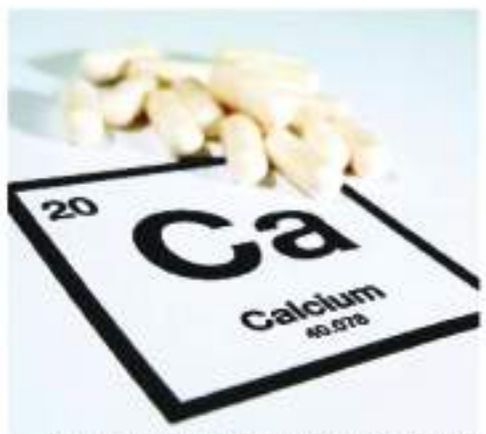

कैल्शियम की कमी से बढ़े रोग

शहर में कामकाज की भाग-दौड़ में डाइट पर ध्यान न देने के कारण महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई जा रही है। इससे हड्डियों और दांतों की बीमारियां बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के मुताबिक हड्डियों व दांतों में कैल्सिफिकेशन नहीं हो पाने से फास्फोरस व विटामिन-डी की कमी से जुड़े रोग बढ़ रहे हैं।

डॉ. एसएस खोसा, डॉ. पवन व डॉ. सुनील चौहान के मुताबिक हड्डियों में कैल्सिफिकेशन ठीक तरह से नहीं हो पाने से जमा हुआ कैल्शियम भी निकलने लगता है। इसे डी-कैल्सिफिकेशन कहते हैं, जिससे हड्डियां छोटी, लचीली व जल्दी टूटने वाली हो रही हैं। खासतौर पर पैरों की हड्डियों पर जल्दी प्रभाव पड़ रहा है। रीढ़ की हड्डी झुकने का भी डर है। इससे एडल्ट रिकेट्स या ओस्टियोमेलेसिया के केसेस सिटी में मिलने लगे हैं। इसके अलावा कमजोरी, पैरों की हड्डियां, पीठ के नीचे के हिस्से में तेज दर्द, चलने में दिक्कत की शिकायतें भी मरीज लेकर आ रहे हैं। इनमें अधिकतर महिलाएं शामिल हैं।

ऐसा होता है निर्माण : कॉन्ट्रेक्शन-रिलेक्सेशन में सहायक कैल्शियम दांतों व हड्डियों का निर्माण करता है। फास्फोरस के साथ मिलकर हड्डियों को बनाने, बढ़ाने और ठोस व दृढ़ करने के लिए भी इसे उपयोग किया जाता है। यह दांतों का निर्माण भी करता है। हड्डियां भी कैल्शियम का संग्रह करती हैं। सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम के साथ मिलकर कैल्शियम, मांसपेशियों के कॉन्ट्रेक्शन-रिलेक्सेशन को नियंत्रित करता है। इससे हाथ-पैर व गर्दन में हरकत होती है। हार्ट की मसल्स के कॉन्ट्रेक्शन व रिलेक्सेशन में सहायक होने के कारण यह हार्ट बीट्स को सामान्य बनाए रखता है। कैल्शियम रक्त के जमने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। शरीर में विटामिन बी के शोषण में यह सहायक होता है। अनेक प्रकार के एंजाइमों की अनेक प्रक्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

यहां से मिलती है मात्रा : तिल में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। तिल्ली के छिलकों में कैल्शियम आक्जेलेट के रूप में पाया जाता है। तिल्ली का छिलका निकाल देने पर केवल 0.15 प्रतिशत कैल्शियम शेष रह जाता है। इसके अलावा यह दालों, सूखे मेवों, खजूर आदि में कुछ मात्रा में पाया जाता है। दूध, दूध पाउडर, मलाई रहित दूध और दूध से बने पदार्थ कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। एक कप दूध में पाया जाने वाली कैल्शियम की मात्रा 15 स्लाइस ब्रेड, डेढ़ कप आइसक्रीम, 10 संतरे, 10 अंडे में पाए जाने वाले कैल्शियम की मात्रा के बराबर होती है। दूध के अलावा कैल्शियम हरी पत्तेदार सब्जियों में भी पाया जाता है।

बच्चों के लिए भी ध्यान दें : बच्चों में कैल्शियम की कमी से विकास रुक जाता है। पैरों की हड्डियां सबसे पहले प्रभावित होती हैं। इनमें जमा कैल्शियम निकल जाने से पैर शरीर का भार सहन नहीं कर पाते। हड्डियों में छेद, कलाई, घुटनों व एड़ियों के जोड़ चौड़े होने लगते हैं। बच्चों को चलने, खेलने में पैरों में दर्द होता है। यह रिकेट्स के लक्षण हैं। दांतों का निर्माण भी ठीक से नहीं होता। बच्चा चिड़चिड़ा हो जाता है यहां तक कि मांसपेशियों का निर्माण भी ठीक से नहीं हो पाता। कैल्शियम व विटामिन डी दोनों हड्डियों के निर्माण और मजबूती के लिए जरूरी होते हैं।

दोनों में से किसी एक की भी कमी होने पर हड्डियों पर बुरा असर पड़ता है।

समस्याएं यह भी

हड्डियों में कैल्शियम के जमा होने पर उनकी ताकत व आकार बना रहता है। कैल्शियम की कमी होने पर हड्डियां लचीली होकर मुड़ने लगती हैं। हड्डियों में छेद होने लगते हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण होते हैं। इसमें हड्डियों में घाव या फ्रैक्चर ठीक होने में काफी समय लगता है। महिलाओं में गर्भावस्था व बच्चे को फीडिंग कराते समय यह समस्या उत्पन्न होती है। महिलाओं को बार-बार गर्भवती होना और इस दौरान आहार में कैल्शियम व विटामिन-डी की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। अगर गर्भवती महिला को हड्डियों में दर्द, चलने में कठिनाई होती है।

दिमाग से तेज आंखें

आंखें न केवल दुनिया दिखाने में मददगार होती हैं, बल्कि ये खतरों को भांपने में भी दिमाग से ज्यादा तेज होती हैं। एक नए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। यह शोध स्विट्जरलैण्ड के बेसल स्थित फ्रेडरिक माइशेर इंस्टीट्यूट फॉर बायोमेडिकल रिसर्च की एक टीम ने किया है।

रेटिना में मौजूद कोशिका

इसका दावा है कि आंखों की रेटिना में मौजूद एक कोशिका दिमाग की मदद के बिना पास आती चीजों का पता लगा सकती है। इस कोशिका की खोज हाल ही की गई है। 'न्यू साइंटिस्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शोधकर्ताओं के मुताबिक दिमाग की मदद के बिना यह कोशिका इनसान को आगाह कर सकती है कि कोई चीज उसके पास आ रही है।

स्तनधारी जीव-जन्तुओं के रेटिना में क्षैतिज और लम्बवत गतिविधियों के जवाब में काम करने वाले न्यूरॉन को पहले ही खोजा जा चुका था, लेकिन हाल में खोजी गई यह कोशिका पास आती चीजों को लेकर काफी संवेदनशील है। चूहों की आंखों में पाई जाने वाली कोशिकाओं की जांच के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि क्षैतिज और लम्बवत गतिविधियों के जवाब में एक विशेष प्रकार की कोशिकाएं काफी असामान्य व्यवहार करती हैं। आगे की जांच में यह खुलासा हुआ कि ये कोशिकाएं सिर्फ उस वक्त काम करती हैं जब कोई चीज इसके पास पहुंच जाए। शोधकर्ता अब आगे के शोध में यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि खतरे को भांपने वाली ये कोशिकाएं आखिर किस प्रकार काम करती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इंतजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। व्यर्थ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेगी। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का ग्लान, अवसाद होगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसे की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 1988

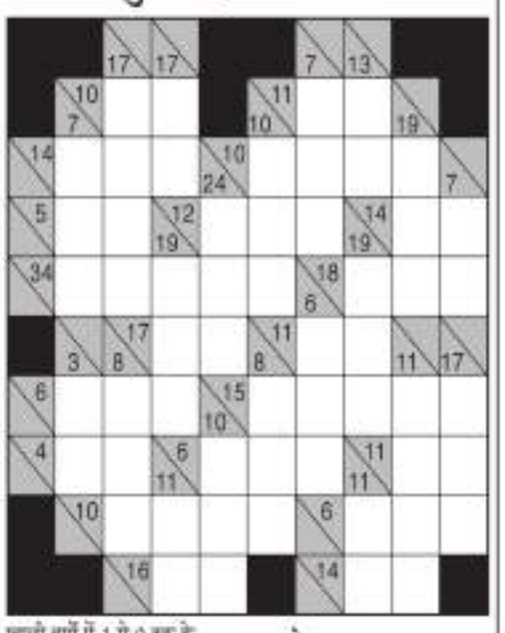

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1 2 3 5
1
2
4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1987 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे, आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुंह मांगा दाम दूंगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए, बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि 'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1988

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
३. हरेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, दिया रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल में कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे हैं' गीत वाली फिल्म-३
१६. मनोज देसाई, डायना, बेला की फिल्म-३
१७. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
२०. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२२. 'ओ कजरारे के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२३. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२४. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शायद कहीं कोई' गीत वाली फिल्म-२
२९. अमित, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, शत्रुघ्न की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'बूढ़े वाली छमिया मिल गैल रे' गीत वाली मनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, डिम्पल की 'दिल कहने लगा है प्यार तुम्हें' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी गली' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नग़मा की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नज़र के सामने जिगर' गीत वाली राहुल रॉय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'हथेली वाले हथेली वाला' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके वाली' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम रोठी हो मैं सिखा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सांस लेने की' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1987

सूडोकु -1988

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के भागों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1987 का हल

शब्द पहेली - 1988

बाएं से दाएं

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'झुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त, अकाल-5
20. प्रयास, कोशिश-5
23. टोंटी, नलका-2
24. कामदेव, पुष्कर-2,3
25. डर, भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा, व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु, बिंदी, शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा, नुकसान-2
6. मूर्ख, बेवकूफ-4
7. बिना कारण, बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम, संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह, किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. मद, अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रलय, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली - 1987 का हल

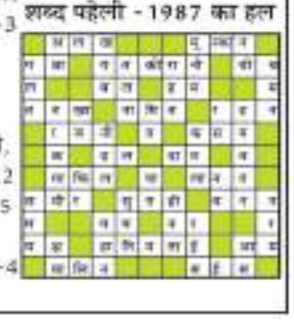

गुजरात जायंट्स ने नए कप्तान का किया ऐलान, ऑस्ट्रेलिया की स्टार बेथ मूनी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली.एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 23 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र में गुजरात जायंट्स की कमानी करेंगी। फेंचाइजी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मूनी को पहले सत्र के लिए भी कप्तान बनाया गया था लेकिन पहले मैच के बाद वह चोटिल हो गई और टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में नहीं खेल सकीं। उनकी अनुपस्थिति में भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा ने टीम का नेतृत्व किया था।स्नेह को दूसरे सत्र के लिए उप कप्तान बनाया गया है।

गुजरात 2023 में पांच टीम की प्रतियोगिता में अंतिम स्थान पर रहा था। फेंचाइजी ने बयान में कहा, वे (मूनी और स्नेह) मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, मार्गदर्शक और सलाहकार मिताली राज तथा सहायक कोच नूशिन अल खादीर के साथ नेतृत्व समूह का हिस्सा होंगी।मूनी ने कहा,मैं गुजरात जायंट्स के साथ वापस आकर खुश हूं और मुझ पर भरोसे जताने के लिए टीम की आभारी हूं। हमारे पास एक शानदार टीम है और मुझे विश्वास है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यह अच्छा है कि डब्ल्यूपीएल बेंगलुरु और नई दिल्ली में खेला जाएगा, जो टूर्नामेंट में नए हैं।

गुजरात जाइंट्स अपने अभियान की शुरुआत 25 फरवरी को बेंगलुरु में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगा। पहले सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बेथ मूनी तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गई थी।

चेतेश्वर पुजारा ने नहीं छोड़ी है वापसी की उम्मीद, जेम्स एंडरसन का उदाहरण देकर बताई मन की बात

नई दिल्ली.एजेंसी

चेतेश्वर पुजारा जारी रणजी ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले उनके नाम की चर्चा काफी थी लेकिन टीम मैनेजमेंट ने युवाओं पर भरोसा जताया। हालांकि पुजारा की टीम में वापसी की उम्मीद बरकरार है। पुजारा ने रणजी ट्रॉफी के जारी सीजन में 10 पारियों में 74.78 के औसत से 673 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने राजकोट में झारखंड के खिलाफ 243 रन बनाए। युवा खिलाड़ियों को मौके मिलने से पुजारा के लिए

वापसी मुश्किल है लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। पुजारा इस समय 36 साल के हैं और उनका मानना है कि उम्र कोई बाधा नहीं है। उन्होंने जेम्स एंडरसन का उदाहरण दिया, जो 41 साल की उम्र में इंग्लैंड के लिए टेस्ट खेल रहे हैं। पुजारा ने टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच का भी जिक्र किया, जिनके मुताबिक 35 नया 25 है।चेतेश्वर पुजारा ने हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, मैं वास्तव में महसूस करता हूं कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। आपके सामने जेम्स एंडरसन का उदाहरण है जो 41 साल के हैं लेकिन इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ के गेंदबाज हैं। नोवाक ने हाल ही में कहा था कि 35 नया 25 है। खेल की गतिशीलता बदल रही है और खिलाड़ी फिट हो रहे हैं। मुझे नहीं लगा कि उम्र कोई बाधा है। विशेष रूप से उन खिलाड़ियों के लिए जो केवल एक ही प्रारूप खेलते हैं, जिससे मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी मदद मिली है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने किया टीम का ऐलान

ट्रेंट बोल्ट की 15 महीने बाद हुई वापसी

नई दिल्ली.एजेंसी

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार (13 फरवरी) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैच की ङ्ग20ङ्घ सीरीज के लिए अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट इस सीरीज के जरिए एक बार फिर छोटे फॉर्मेट में वापसी करेंगे। ट्रेंट बोल्ट करीब 15 महीने बाद टी20 सीरीज खेलते हुए नजर आएंगे।

इससे पहले उन्होंने नवंबर 2022 में अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच खेला था। बोल्ट के अलावा रचिन रवींद्र और जोश क्लार्कसन को भी 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।ट्रेंट बोल्ट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के दूसरे और तीसरे टी20 के लिए टीम में शामिल किया गया है, ये दोनों मैच आकलैंड में खेले जाएंगे। ट्रेंट बोल्ट अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी की जगह लेंगे, वर्कलोड मैनेज करने के लिए वह दो मैच नहीं खेलेंगे। इसके बाद दो मैच की टेस्ट सीरीज भी है। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डेरिल मिचेल चोट के कारण वापसी नहीं कर सके हैं। वह पैर की इंजरी से रिकवर हो रहे हैं। केन विलियमसन एक बार फिर से पिता बनने जा रहे हैं, जिसके कारण वह छुट्टी पर हैं। माइकल ब्रेसवेल फिंगर इंजरी के कारण बाहर है। जिम्मी नीशम चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे क्योंकि वह बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं।

टीम की कप्तानी मिचेल सैंटनर करेंगे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी लगभग वही टीम खेलने उतरेगी, जिसने हाल ही में पाकिस्तान को 4-1 से हराया था। टीम में एक बदलाव हुआ है। बेन सियर्स की जगह लॉकी फर्ग्यूसन आए हैं। जोश क्लार्कसन शानदार ऑलराउंडर हैं, जिन्हें अभी तक ब्लैककैप्स द्वारा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शामिल नहीं किया गया है। वह इस सीरीज में डेब्यू कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया T20I श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्स, लॉकी फर्ग्यूसन, ट्रेंट बोल्ट (गेम 2 और 3), मैट हेनरी, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी, और टिम साउदी (गेम 1).

रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाना सही या गलत, सुनील गावस्कर ने दिया सटीक जवाब

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाकर सही निर्णय लिया है। पांच बार की चैंपियन को आने वाले समय से इससे फायदा मिलेगा। हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस ने पहले रिटेन किया था लेकिन बाद में आईपीएल 2024 नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को गुजरात टाइटंस से करार कर अपनी टीम में शामिल किया और आईपीएल फेंचाइजी का कप्तान भी बनाया। सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, उन्होंने हमेशा फेंचाइजी के भविष्य के बारे में सोचा है। रोहित शर्मा 36 की उम्र के हैं और तीनों फॉर्मेट में भारत की कैप्टेंसी का दबाव भी है। उन्होंने उस बोझ को कुछ कम करने और हार्दिक पंड्या जैसे युवा खिलाड़ी को यह जिम्मेदारी देने की कोशिश की है।

हार्दिक ने गुजरात को लगातार फाइनल में पहुंचाया है और खिताब भी जिताया है। मुंबई इंडियंस की इस बदलाव के पीछे यही सोच है।गावस्कर ने ये भी कहा कि रोहित के ऊपर से कप्तानी का दबाव हटने से उनको और फेंचाइजी को फायदा होगा। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने पिछले आईपीएल सीजन में 16 मैच में 332 रन बनाए।

मोहम्मद नबी बने दुनिया के नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर, शाकिब अल हसन से 5 साल बाद छिनी बादशाहत

नई दिल्ली.एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। अफगानिस्तान के अनुभवी क्रिकेटर मोहम्मद नबी दुनिया के नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्होंने बांग्लादेश के धाकड़ ऑलराउंडर शाकिब अल हसन से बादशाहत छीनी है। शाकिब करीब पांच साल से टॉप पर काबिज थे। शाकिब के 310 रेटिंग अंक हैं और अब वह दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं, 39 वर्षीय नबी 314 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंचे हैं। नबी ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच 139 रन की शानदार पारी खेली थी। उन्होंने एक विकेट भी चटकाया। हालांकि, वह दूसरे मुकाबले में छाप नहीं छोड़ सके। श्रीलंका ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना रखी है। वनडे बॉलर्स रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के केशव महाराज टॉप पर कायम हैं। श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा (14 स्थान ऊपर 26वें स्थान पर) और दिलशान मदुशंका (चार स्थान ऊपर 33वें स्थान पर) को फायदा हुआ है।पाकिस्तान के बाबर आजम बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर बरकरार है। तीन श्रीलंकाई खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन

का लाभ मिला है। चरिथ असलांका पांच पायदान ऊपर चढ़कर 15वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दूसरे मैच में नाबाद 97 रन बनाए। पहले मैच में दोहरा शतक जड़ने वाले पथुम निसांका 10 पायदान के सुधार के साथ 18वें पर आ गए हैं। सदीरा समरविक्रमा छह पायदान चढ़कर 41वें स्थान पर हैं।

टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर सिर्फ अंकों में बदलाव हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने वाले केन विलियमसन (883 अंक) की बादशाहत में चार चांद लग गए हैं। स्टीव स्मिथ दूसरे, जो रूट तीसरे जबकि इंग्लैंड सीरीज नहीं खेल रहे विराट कोहली सातवें नंबर पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के पेसर जसप्रीत बुमराह (881 अंक) टॉप पर मौजूद हैं। रविंद्र जडेजा (416) नंबर वन टेस्ट ऑलराउंडर हैं। जडेजा चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेले थे।

धोनी ने करोड़ों रुपये की डील छोड़ दी, साक्षी से भी कहा लेकिन...' BAS के मालिक का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आखिरी इंटरनेशनल मैच आईसीसी वर्ल्ड कप 2019 का सेमीफाइनल मैच था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था और इसके बाद से एमएस धोनी कभी वापस इंटरनेशनल मैच खेलते हुए नजर नहीं आए, हालांकि धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान 15 अगस्त 2020 को किया था। अगर आपको याद हो तो धोनी को आईसीसी वर्ल्ड कप 2019 के दौरान बैट पर BAS के स्टिकर के साथ खेलते हुए देखा गया था। इसके पीछे की एक स्टोरी है, जो बहुत कम लोग जानते हैं। BAS के मालिक सोमी कोहली ने बताया कि धोनी ने फ्री में BAS के लोगो लगाए थे, जबकि इसके लिए उन्हें करोड़ों रुपये की डील भी मिल सकती थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है, जिसमें BAS के मालिक ने बताया, धोनी मेरे पास आए और उन्होंने कहा कि वह BAS के स्टिकर अपने बैट पर लगाकर खेलना चाहते हैं, वर्ल्ड कप 2019 में, मैंने उनसे पैसे लेने को कहा तो, उन्होंने मना कर दिया। मैंने धोनी की पत्नी साक्षी से भी कहा और उनके मां-बाप से भी कहा कि उन्हें इसके लिए पैसे लेने चाहिए। लेकिन धोनी ने साफ कर दिया कि वह इसके लिए कोई पैसा नहीं लेंगे। दरअसल BAS ने धोनी की मदद तब की थी, जब वह स्टार नहीं थे।आईपीएल 2024 के लिए धोनी जमकर तैयारी कर रहे हैं और इस दौरान नेट्स पर उन्हें प्राइम स्पोर्ट्स के स्टिकर वाले बैट से खेलते हुए देखा गया। प्राइम स्पोर्ट्स धोनी के दोस्त की स्पोर्ट्स दुकान है, जिसने शुरुआती दिनों में उनकी काफी मदद की थी। धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपरकिंग्स ने आईपीएल 2023 का खिताब अपने नाम किया था। तब धोनी ने कहा था कि आईपीएल से रिटायरमेंट लेने का यह सबसे अच्छा मौका है, लेकिन मैं अपने फैन्स के लिए एक सीजन और खेलूंगा और यह मेरी तरफ से उनके लिए रिटर्न गिफ्ट होगा।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग इलेवन का किया ऐलान, शोएब बशीर हुए बाहर

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड ने गुरुवार से राजकोट में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। इंग्लैंड ने राजकोट टेस्ट के लिए एक बदलाव किया है। तेज गेंदबाज मार्क वुड की वापसी हुई है, जबकि स्पिनर शोएब बशीर एक मैच खेलने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड की टीम तीसरे मैच में दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी। जो रूट पार्ट टाइम बॉलर के रूप में पांचवें गेंदबाज होंगे। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के लिए ये मैच काफी स्पेशल होने वाला है। कप्तान बने स्टोक्स राजकोट में अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इंग्लैंड ने हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में भारत को 28 रन से हराया था। वहीं दूसरे मैच में भारत ने वापसी करते हुए 106 रन से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड को हैदराबाद में खेलने का मौका मिला था लेकिन वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके थे। दूसरे मैच में उनकी जगह जेम्स एंडरसन को मौका मिला था। भारतीय सरजमीं पर कदम रखने के बाद से स्पिनर टॉम हर्टले का आत्मविश्वास काफी बढ़ चुका है। उन्होंने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है और उनकी आक्रामक बल्लेबाजी टीम की मनसिकता के अनुकूल है।जो रूट स्पिन गेंदबाजी का बोझ भी उठा रहे हैं लेकिन इंग्लैंड के पास अपने इस सबसे सीनियर बल्लेबाज से गेंदबाजी कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि जैक लीच घुटने की चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

बदली हुई नजर आएगी टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन, तीसरे टेस्ट से पहले प्रैक्टिस सेशन में दिख गई झलक

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय टीम खिलाड़ियों के चोटों से परेशान है। कई खिलाड़ी चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। तीसरे टेस्ट से पहले युवा खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया।

राजकोट .एजेंसी

खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में घरेलू दिग्गज सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को पदार्पण का मौका दे सकती है। श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर है और तीसरा मैच 15 फरवरी से खेला जाएगा। मैच से पहले टीम के अभ्यास सत्र को देखें तो सरफराज ने स्लिप और गली क्षेत्र में क्षेत्ररक्षण का अभ्यास किया, जबकि जुरेल ने विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। पिछले मैच की दूसरी पारी में शतक जड़ने वाले शुभमन गिल ने टीम के इस वैकल्पिक अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। गिल को विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में क्षेत्ररक्षण के दौरान दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान क्षेत्ररक्षण नहीं की लेकिन यह भी कहा कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। श्रेयस अय्यर के बाहर होने और केएल राहुल के चोट से उबरने में नाकाम रहने से सरफराज के लिए दरवाजे खुल गए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों से रणजी ट्रॉफी में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वालों में से एक रहे हैं। जुरेल को बेहतर बल्लेबाज होने के तमगे के कारण कोना भरत पर तरजीह मिल सकती है। भरत लगातार सात टेस्ट मैचों में एक भी अर्धशतक बनाने में असफल रहे हैं।

रजत पाटीदार, सरफराज और जुरेल चौथे से सातवें क्रम के बीच बल्लेबाजी करेंगे। ऐसे में मध्य क्रम के चार खिलाड़ियों में से तीन (रविंद्र जडेजा को छोड़कर) कुल मिला कर एक टेस्ट के सामूहिक अनुभव के साथ मैच में उतरेंगे। पाटीदार ने विशाखापत्तनम में पदार्पण किया था। भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजरने को तैयार है, ऐसे में इस मैच को टीम के भविष्य की झलक देखने को मिलेगी।

टीम के अभ्यास सत्र में पाटीदार और सरफराज दोनों को स्लिप क्षेत्ररक्षण में अभ्यास करते देखा गया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पिच का मुआयना करने के बाद लंबे समय तक गुफ्तगू करते हुए दिखे। रोहित इसके बाद क्षेत्ररक्षण अभ्यास के लिए चले गए लेकिन द्रविड़ मैदानकर्मियों से बात करते दिखे।

कप्तानी गंवाने के बाद शाकिब अल हसन श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से हुए बाहर, बाईं आंख की रेटिना में दिक्कत

बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर शाकिब अल हसन बाईं आंख की रेटिना में हो रही परेशानी की वजह से श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। शंटो टीम की कमान संभालेंगे।

नई दिल्ली.एजेंसी

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन आंख में समस्या के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। शाकिब की बाईं आंख की रेटिना में परेशानी है। उन्होंने बांग्लादेश की तरफ से अपना आखिरी मैच पिछले साल वनडे विश्व कप में खेला था। उनकी जगह नजमुल हुसैन शंटो को तीनों प्रारूप में बांग्लादेश का कप्तान नियुक्त किया गया है।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा, हमने कप्तानी को लेकर लंबी चर्चा की और इसके बाद नजमुल हुसैन शंटो को एक साल के लिए तीनों प्रारूप का कप्तान नियुक्त करने का फैसला किया।%% तीन मैच की टी20 श्रृंखला 4 मार्च से जबकि वनडे श्रृंखला 13 मार्च से शुरू होगी। इन मैचों के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है।बांग्लादेश प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन के बाद अनुभवी महमुदुल्लाह और सलामी बल्लेबाज मोहम्मद नईम 2022 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं, जबकि ऑफ स्पिनर अलीस अल इस्लाम टीम में एकमात्र नया चेहरा हैं। बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने सोमवार को शान्तो की नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा, -शाकिब हमेशा कप्तान के रूप में हमारी पहली पसंद रहे हैं, लेकिन आंख की समस्या ने उन्हें इस समय बांग्लादेश के लिए अनुपलब्ध बना दिया है। हमने उनसे चर्चा की लेकिन वह आगामी श्रीलंका श्रृंखला में अपनी उपलब्धता की पुष्टि नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उनकी आंखों की समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ है।

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), लिटन दास, अनामुल हक, मोहम्मद नईम, तौहीद ह्दोय, सौम्य सरकार, मेहेदी हसन, महमुदुल्लाह, तैजुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन, अलीस अल इस्लाम।

वनडे टीम (पहले और दूसरे वनडे के लिए) नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), अनामुल हक, सौम्य सरकार, तंजीद हसन, लिटन दास, मुश्फिकुर रहीम, तौहीद ह्दोय, महमुदुल्लाह, मेहदी हसन, तैजुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन, मुस्तफिजुर रहमान।

GOVT. OF PUNJAB

मुख्य मंत्री तीर्थ यात्रा

श्री अमृतसर साहिब

श्री हज़ूर साहिब

श्री पटना साहिब

श्री आनंदपुर साहिब

माता नैना देवी जी

श्री वृंदावन धाम

माता वैष्णो देवी जी

माता ज्वाला जी

वाराणसी

माता चिन्तपुर्णी जी

श्री खाटू श्याम जी, श्री सालासर धाम

ख़्वाजा अजमेर शरीफ़ दरगाह

पंजाब के पुत्र

भगवंत सिंह मान

मुख्य मंत्री

के प्रयासों के स्वरूप अब तक

20,000 से अधिक बुज़ुर्गों ने किए दर्शन

भगवंत सिंह मान
मुख्य मंत्री, पंजाब

परिवहन विभाग, पंजाब